डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. NO. RAJHIN/2006/16735 राजस्थान एवं केन्द्र सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

रॉयल पत्रिका मंगवाने के लिए संपर्क करें -
9799559096
0141-4982834

रॉयल पत्रिका

सरकारी नौकरियों की जानकारी के लिए पढ़ें पृष्ठ 5

वर्ष : 20 | अंक : 10 | पेज: 08 | जयपुर, सोमवार, 07 अप्रैल से 13 अप्रैल 2025 | साप्ताहिक | मूल्य: 5 रुपए

वक्फ बिल को राष्ट्रपति ने दी मंजूरी

- देश का वक्फ एमेंडमेट बिल ऐसा है जिससे हिंदुओं को और मुसलमानों को कोई आर्थिक फायदा पहुंचने वाला नहीं है।
- वक्फ बोर्ड की जमीनों पर पहले भी वक्फ माफियाओं का कब्जा था और वक्फ बोर्ड कमेटियों में सत्ता पक्ष के नजदीकी लोग थे। वक्फ संशोधित बिल के कानून बनने के बाद भी ऐसा ही रहने वाला है।

एम. खान

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रपति द्रोपती मुर्मू ने शनिवार रात वक्फ संशोधित बिल 2025 को मंजूरी दे दी है। मुसलमान वक्फ (निरसन) बिल 2025 को भी राष्ट्रपति ने मंजूरी दे दी है। इसके बाद केंद्र सरकार ने इनकी अधिसूचना जारी की और दोनों बिल कानून बन गए। केंद्र की मोदी सरकार के अनुसार नए कानून का उद्देश्य वक्फ संपत्तियों का दुरुपयोग और वक्फ संपत्तियों पर अतिक्रमण रोकना है। यह बिल बुधवार को लोकसभा और गुरुवार को राज्यसभा में पारित हुआ था।

वक्फ एमेडमेंट बिल 2025 देश का ऐसा बिल है जिसके देश के मुसलमानों और हिंदुओं को कोई बड़ा आर्थिक फायदा नहीं होने वाला है। वक्फ बोर्ड करीब-करीब पहले जैसा ही चलेगा। कुछ महत्वपूर्ण वक्फ संपत्तियों को कलेक्टर के द्वारा सरकार अपने कब्जे में ले सकती है और कुछ पर से वक्फ के मालिकाना अधिकार समाप्त किए जा सकते हैं। पहले वक्फ कमेटियों में सिर्फ मुस्लिम समुदाय के व्यक्ति ही शामिल हो सकते थे अब दूसरे समुदाय के व्यक्ति भी शामिल होंगे।

वक्फ बोर्ड मैनेजमेंट कमेटी का चुनाव न होकर सरकार के द्वारा मनोनीत किया जा सकेगा। वक्फ अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास लाकर हटाने का प्रावधान नहीं होगा। वक्फ बोर्ड सीईओ पद पर पहले मुस्लिम समुदाय का अधिकारी होता था। अब किसी भी समुदाय का अधिकारी बन सकता है। इसके अलावा वक्फ बोर्ड कमेटी में पहले भी सरकार की पसंद के लोग शामिल किए जाते थे और अब भी सरकार की पसंद के लोग शामिल किए जाएंगे। वक्फ बोर्ड की वक्फ संपत्तियों पर पहले ज्यादातर मुस्लिम भूमाफिया जिनको आम बोलचाल की भाषा में वक्फ माफिया कहा जाता है का बोलबाला वैसा ही रहने वाला है।

वक्फ माफियाओं के कारण मुस्लिम समुदाय को वक्फ संपत्तियों का फायदा नहीं मिला

वक्फ बोर्ड मैनेजमेंट कमेटियों, दरगाह मैनेजमेंट कमेटियों, मुसाफिरखाना कमेटियों, एवं अन्य वक्फ संपत्तियों की कमेटियों में माफिया पनप गए। वक्फ माफियाओं की पहुंच विधायक, सांसद और मंत्रियों तक होने के कारण धड़ल्ले से वक्फ की जमीनों को बेचा गया और जो वक्फ की संपत्तियां नहीं बिक पाई उनको मुकदमा करके अदालतों के जरिए फंसा दिया गया।

वक्फ बोर्ड मैनेजमेंट में शामिल लोग यदि ईमानदारी से काम करते तो मुस्लिम समुदाय के बच्चों की पूरी शिक्षा मुफ़्त मिल सकती थी, हजारों अस्पताल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी, सामुदायिक भवन, मुसाफिरखाना एवं शानदार स्कूलों का निर्माण हो सकता था। लेकिन इन वक्फ माफियाओं ने मुस्लिम समुदाय और सरकारी सिस्टम को हमेशा ही गुमराह किया। इस स्थिति का फायदा केंद्र की भाजपा सरकार ने उठाया और नया वक्फ संशोधित बिल पास कर दिया। यदि इन वक्फ माफियाओं पर कांग्रेस या पहले की सरकारें नियंत्रण करती तो बहुत वक्फ संशोधित बिल लाने की जरूरत नहीं पड़ती।

वक्फ संशोधित बिल 2025 को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद, एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी और दिल्ली में आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह ने इस बिल को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। याचिकाकर्ताओं का मानना है कि केंद्र सरकार ने वक्फ संशोधित बिल बनाने में संवैधानिक कानून एवं प्रावधानों का ध्यान नहीं रखा है। दूसरी तरफ देश की राष्ट्रपति ने इस बिल को मंजूरी दे दी है अब वक्फ संशोधित बिल 2025 कानून बन चुका है।

सुप्रीम कोर्ट के वकील डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी की संसद को राय

सुप्रीम कोर्ट के जाने माने वकील डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी ने राज्यसभा में अपनी राय व्यक्त की कि नये वक्फ संशोधित बिल के क्लोज 11 का हवाला देते हुआ कहा कि एक्ट में सफाई से कहा गया है कि वक्फ मैनेजमेंट कमेटी में 11 में से कम से कम 3 सदस्य मुस्लिम हो सकते हैं।

उसको यह भी कर सकते हैं कि कमेटी में 11 में से 8 सदस्य गैर मुस्लिम होंगे। सभी सदस्यों को प्रदेश सरकार मनोनीत करेगी। चुनावी प्रक्रिया से कोई भी सदस्य नहीं चुना जाएगा। वक्फ बोर्ड का सीईओ मुस्लिम होना जरूरी नहीं होगा।

अनुच्छेद 26 में अल्पसंख्यकों को अपने संस्थान स्वायत्तता, ऑटोनॉमस अधिकार से चलाने होते हैं लेकिन वक्फ बोर्ड कमेटी के अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव नहीं लाया जा सकता है और ना ही हटाया जा सकता है। डॉ अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि हिंदू धार्मिक और चैरिटेबल एडाउमेन्टस एक्ट, श्री जगन्नाथ मंदिर एक्ट, माता वैष्णो देवी श्राइन एक्ट, उत्तर प्रदेश काशी विश्वनाथ मंदिर और अन्य धार्मिक स्थल अधिनियम आदि के अनुसार इस इन कमेटियों और ट्रस्टों में कोई गैर हिंदू व्यक्ति सदस्य सदस्य नहीं बन सकता है तो फिर वक्फ संशोधित एक्ट में मुसलमान के अलावा गैर मुस्लिम का प्रावधान कैसे हो सकता है। उन्होंने कहा कि इसी तरह जमीन दान करने के प्रावधान के कानून संमत नहीं है। वक्फ बिल को बड़ी शातिर तरीके से तोड़ मरोड़ कर बनाया गया है। जिसको भविष्य में सर्वोच्च न्यायालय निरस्त कर सकता है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वक्फ संशोधित बिल के पक्ष में नहीं बोले

- कांग्रेस को मुसलमानों के सिर्फ वोट चाहिए

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। देश का सबसे चर्चित वक्फ बिल संशोधित बिल 2025, संसद के दोनों सदनों से पारित होकर राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद कानून बन चुका है। संसद में एनडीए और इंडिया गठबंधन एवं विपक्ष के सांसदों के पक्ष-विपक्ष में जबरदस्त बहस देखने को मिली। भाजपा सांसदों ने वक्फ संशोधित बिल के पक्ष में दलीलें दी और वक्त जमीनों के विकास एवं अतिक्रमण मुक्त कराने वाले वाला बताया। भाजपा के साथी पार्टी जेडीयू और टीडीपी सांसदों ने भाजपा की केंद्र सरकार का पूरा समर्थन किया। जबकि जेडीयू ने नीतीश कुमार और टीडीपी के चंद्रबाबू नायडू मुसलमानों के समर्थन से मुख्यमंत्री बन पाए हैं। लेकिन वक्फ संशोधित बिल पास कराने के लिए उन्होंने मुसलमानों का साथ छोड़ दिया। देश के मुसलमानों के लिए नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू से ज्यादा आश्चर्यजनक रहा कि देश में कांग्रेस के लिए झोली भर-भर कर वोट देने के बावजूद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वक्फ संशोधित बिल का विरोध करना उचित नहीं समझा। उन्होंने बिल के विरोध में एक भी शब्द नहीं बोला। सांसद प्रियंका गांधी तो बहस के वक्त संसद में उपस्थित ही नहीं थी। जबकि उनके क्षेत्र वायनाड में बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के वोटर हैं। इससे लगता है कि राहुल गांधी सिर्फ मुसलमानों के वोट लेने की राजनीति करते हैं मुसलमान के मुद्दों से उनका कोई लेना-देना नहीं है।

मुख्यमंत्री निवास पर नियमित जनसुनवाई

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अधिकारियों को परिवेदनाओं के त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश,
- महिला, दिव्यांग, बुजुर्ग मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता से खुश, आमजन को समस्याओं के शीघ्र समाधान से मिली राहत

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर जनसुनवाई की। उन्होंने वहां उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति की समस्या को सुना तथा अधिकारियों को इन समस्याओं के निस्तारण के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी, सार्वजनिक निर्माण एवं चिकित्सा सहित विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याएं सुनी तथा कई समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण कर परिवादी को राहत दी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परिवादियों की समस्याओं के निस्तारण के लिए मौके पर जाएं, जिससे जमीनी स्थिति का पता चल सके एवं समस्या का समाधान शीघ्र किया जा सके। जनसुनवाई में जहां एक ओर मुख्यमंत्री ने आर्थिक तंगी से जूझ रहे जितेन्द्र के निःशुल्क इलाज तथा पूर्ण देखभाल के लिए अस्पताल प्रशासन को निर्देशित किया, वहीं दूसरी ओर दिव्यांग स्ट्रीट वेंडर्स को उचित जगह उपलब्ध करवाने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए जिससे उन्हें राहत मिल सके। जनसुनवाई में मुख्यमंत्री महिला, दिव्यांग, बुजुर्ग सहित सभी वर्गों के लोगों की फरियाद सुनी। उन्होंने संवेदनशीलता दिखाते हुए अधिकारियों को इन वर्गों की समस्याओं का तत्काल निस्तारण कर मुख्यमंत्री कार्यालय में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों द्वारा आगामी समय में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों के पोस्टरों का विमोचन कर सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं।इस अवसर पर जनप्रतिनिधि और आमजन उपस्थित रहे।

बाबा साहब ने समाज के दबे कुचले शोषितों और वंचितों को उनका अधिकार दिलाने का अहम कार्य किया: जूली

अलवर, (रॉयल पत्रिका)। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने संविधान निर्माता बाबा भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में समरसता के फूल बरसने के बीच उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि सभी वर्गों व समाज के लोगों ने बाबा साहब के सिद्धांतों पर चलने का जो निर्णय लिया है वह स्वागत के काबिल है। जूली बोले डॉ अंबेडकर ने न केवल देश का संविधान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई बल्कि देश में बड़ा योगदान देने का काम किया।

जूली रविवार को डीग के खेस्ती और लक्ष्मणगढ़ के रसूलपुर गांव में बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अंबेडकर समिति के पदाधिकारियों को इस पुनीत कार्य के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि बाबा साहब ने ही समाज के दबे कुचले शोषितों और वंचितों को उनका अधिकार दिलाने का अहम कार्य किया। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने अपने जीवन काल में काफी संघर्ष की बदौलत ऊंचे शिखर तक पहुंचाने का जज्बा दिखाया।

जूली ने उपस्थित लोगों से बाबा साहब के बताए हुए मार्ग पर चलने का आवाहन करते हुए कहा कि बाबा साहब के विचारों को अपने जीवन में आत्मसात करे। उन्होंने कहा कि बाबा साहब 20वीं सदी के ऐसे महानायक है जिन्होंने समाज में समता, सह अस्तित्व, समान भाव लाने के लिए इस देश के अंदर जो विसंगतियां, बुराइयां और कुरीतिया थी उनके विरुद्ध आवाज उठाई और संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि समाज के कमजोर वर्ग को बाबा साहब ने सशक्त किया और सशक्त कर आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन देने का महत्वपूर्ण कार्य किया।

जूली बोले उनके द्वारा लिखे गए संविधान का आज भी कई देश लोहा मान रहे हैं। इस अवसर पर सांसद संजना जाटव, विधायक अनीता जाटव, डेयरी चेयरमैन विश्राम गुर्जर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

For Sale

1,2,3,4 BHK फ्लैट्स ,
मोती डूंगरी रोड ,आदर्शनगर ,
जवाहरनगर , फ़तेह टीबा
& near by location
Contact - 8386947005

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का जयपुर दौरा

- कोटपूतली में बाबा बालनाथ आश्रम में समाधि के किए दर्शन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह रविवार दोपहर करीब 3:30 बजे कोटपूतली के पावटा स्थित अहीर की बावड़ी में स्थित बाबा बालनाथ आश्रम पहुंचे। इससे पहले अमित शाह दोपहर 1.15 बजे कार्यक्रम स्थल से दो किलोमीटर दूर बावड़ी में हेलीपेड पर पहुंचे थे। इसके बाद सड़क मार्ग से बाबा बालनाथ आश्रम पहुंचे थे। अमित शाह आश्रम में स्थित समाधि स्थल, पंचमुखी महादेव मंदिर में दर्शन किए। कार्यक्रम में पहुंचने से पहले अमित शाह जयपुर एयरपोर्ट पहुंचे। इस दौरान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी और प्रेमचंद बैरवा ने स्वागत किया। शाह कोटपुतली मे आयोजित 108 कुण्डीय महामृत्युंजय रुद्र महायज्ञ पूर्णाहुति के दौरान महाकाल की आरती में शामिल होने के बाद सभा स्थल पहुंचे। इस अवसर पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे। शाह ने अपने संबोधन में कहा कि बाबा बस्ती नाथ ने लगातार एक साल तक समाज के हर वर्ग को जोड़कर इस सनातन महायज्ञ का एक महान प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि यहीं पर एक वर्ष पहले 108 कुंडीय महा मृत्युंजय महायज्ञ शुरू हुआ और आज इसका समापन होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछली रामनवमी से इस वर्ष रामनवमी तक हर पांच दिन में समाज के हर हिस्से से एक जोड़े ने पवित्र भाव के साथ 108 कुंडीय यज्ञ पर बैठकर प्रकृति के संरक्षण, सनातन के प्रचार और अपनी आत्मा की शुद्धि के लिए यहां यज्ञ किया है। शाह ने कहा कि समाज को जोड़ने, व्यक्तियों को धर्ममय बनाने और पर्यावरण की सेवा करने वाला ऐसा प्रयास आज तक नहीं देखा है। उन्होंने कहा कि इस अखंड धूणी को एक महासिद्ध योगी ने शुरू किया और बाबा बस्तीनाथ इसे आगे बढ़ा रहे हैं।अपने संबोधन के अंत में गृह मत्री ने कहा कि मैं यहां कोई भाषण करने नहीं आया था। मैं यहां बाबा बालनाथ जी की समाधि से ऊर्जा प्राप्त करने आया था।

अमेरिका की जनता बुद्धिमान, मेहनती और भविष्य को जानने वाली है !

-यही कारण है कि अमेरिकी लोकतंत्र सबसे मजबूत है। जबकि रूस और चीन में लोकतंत्र नहीं है, तानाशाही शासन में जनता को एक तरह से गुलाम की तरह रखा जाता है। अमेरिकी जनता ने अपने नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का सड़कों पर उतरकर विरोध शुरू कर दिया है।

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। विश्व में अमेरिका आर्थिक रूप से सबसे धनी, सैन्य पावर के अनुसार सबसे शक्तिशाली और प्रजातंत्र के अनुसार सबसे शक्तिशाली लोकतान्त्रिक देश माना जाता है। करीब 80- 90 वर्षों से अमेरिका विश्व का सुपर पावर माना जाता है। अमेरिका की जनता ने ही अमेरिका को सुपर पावर बनाया है। अमेरिकी जनता मेहनती है, बुद्धिमान है और भविष्य की योजनाओं पर ध्यान देती है। अमेरिकी जनता ने अमेरिका को बहुत से महान लीडर दिए हैं। वहाँ के कानून इतने सख्त हैं कि बड़े से बड़े लीडर, न्यायाधीश, सेनाध्यक्षों को उनकी अवहेलना करना आसान नहीं है। यही कारण है कि अमेरिका दुनिया का लगातार शक्तिशाली देश होता गया, शक्तिशाली ही नहीं एक समय तो ऐसा था कि दुनिया में अमेरिका को कोई भी चुनौती देने वाला ही नहीं था। लोकतंत्र देश के रूप में अमेरिका और जापान ने सबसे ज्यादा तरक्की की है, जबकि रूस और चीन भी विकसित देश हैं । लेकिन यहां की जनता गुलामो की तरह रहती है। रूस एवं चीन में जनता अपने शासको के खिलाफ नहीं बोल सकती है, इसलिए रूस-चीन में वर्तमान लीडरशिप के बाद देश का भविष्य कैसा रहेगा कुछ कहा नहीं जा सकता है। इसी तरफ अमेरिका में मजबूत लोकतंत्र एवं संविधान से चलने के कारण देश संभालने वाले लीडरों की एक लंबी लाइन है।

अमेरिका की जनता डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ सड़कों पर

अमेरिका की जनता गतिशील है, सूझबूझ वाली है और लोकतंत्र के प्रति समर्पित है । यही कारण है कि नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ लाखों लोग सड़कों पर उतरकर आंदोलन कर रहे हैं । अमेरिकी जनता को डर सताने लगा है कि डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीतियों, सरकार में कर्मचारियों की छंटनी लोकतंत्र को कमजोर करके ट्रंप की तीसरी बार राष्ट्रपति बनने की इच्छा और दुनिया के देशों को युद्ध की धमकी देना अमेरिका को बर्बाद कर सकती है । राष्ट्रपति की मनमानी के कारण अमेरिका के शेयर बाजार धड़ाम हो गए । जिससे अमेरिका की इकोनॉमी को करीब 5-6 ट्रिलियन का नुकसान हुआ, लेकिन अमेरिकी जनता ऐसा नहीं होने देगी । अमेरिका में मीडिया भी स्वतंत्र और परिपक्व है। देश हित में वह बड़े से बड़े नेता और अधिकारी की कमियां उजागर करके जनता को बता सकता है । एशियाई देशों की जनता धार्मिक प्रवृत्ति की है, देश को शक्तिशाली बनाने के बजाए एक दूसरे के धार्मिक मुद्दों के विरोध में ज्यादा रुचि रहती है और धार्मिक मिजाज है । यही कारण है कि पाकिस्तान, बांग्लादेश, भारत, श्रीलंका और अफगानिस्तान में आज भी टेक्नोलॉजी लड़ाकू विमान निर्माण, आर्थिक शक्तिशाली बनने एवं आधुनिक शिक्षा पर ध्यान नहीं दिया जाता है । जबकि अमेरिका में पूरे विश्व से चाहे वह किसी भी धर्म का वैज्ञानिक हो, अमेरिका बुला लिया जाता है।

जिला कलेक्टर डॉ. जितेंद्र सोनी ने किया सांगानेर का व्यापक निरीक्षण

जयपुर/सांगानेर, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलेक्टर डॉ. जितेंद्र सोनी ने सांगानेर में चल रहे विकास कार्यों का व्यापक निरीक्षण किया तथा शिथिलता बरते जाने पर नाराजी व्यक्त की। सांगा बाबा सर्किल पर निर्मित फव्वारे एवं 16 दुकानों की डीसी रवि कुमार गोयल से जानकारी ली गई। इसके बाद दिगम्बर जैन मंदिर, सांगा बाबा मंदिर एवं त्रिपोलिया बालाजी मंदिर के दर्शन किए। मंदिर कमेटी ने जिला कलेक्टर डॉ जितेंद्र सोनी का स्वागत किया। ख़ास तौर से सांगानेर की प्राचीन ऐतिहासिक धरोहर मालपुरा गेट, त्रिपोलिया गेट, चाकसू गेट, जयपुर गेट के रखरखाव और सौंदर्यीकरण के कार्यों का निरीक्षण किया एवं संबंधित अधिकारियों से विस्तार पूर्वक जानकारी ली। धरोहर स्थलों पर रंग रोगन एवं सौंदर्यीकरण की प्रगति की समीक्षा की तथा दिशा निर्देश दिए। हमेशा सुस्त रहने वाला नगर निगम प्रशासन जिला कलेक्टर के दौरे से सक्रिय दिखाई दिया। स्थानीय लोगों से मिलकर पूर्व एवं वर्तमान की हालातों की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान सांगानेर एसडीएम हिम्मत सिंह, डिप्टी कमिश्नर रवि कुमार गोयल, नगर निगम जोन के ई एन मनोज गोस्वामी, सीएसआई भगवान सिंह, नगर निगम कर्मी, थाना मालपुरा गेट पुलिस जाप्ता तथा तहसील प्रशासन सहित कई कर्मचारी मौजूद रहे। कलेक्टर डॉक्टर जितेंद्र सोनी ने कहा कि सांगानेर ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से समृद्ध क्षेत्र है। यहां की धरोहर को सजाने एवं विकास के लिए हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। जनहित से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सांगानेर की जनता ने इस दौरे का स्वागत किया एवं उम्मीद जताई है कि अब सांगानेर के विकास में गति आएगी।

संगठन की पंच निष्ठाओं को आत्मसात करने का संकल्प लेते हुए भाजपाइयों द्वारा स्थापना दिवस पखवाड़े का किया गया आगाज

-भाजपा जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में समस्त पदाधिकारियों ,कार्यकर्ताओं द्वारा संगठन के ध्वज को पूजा -अर्चना के साथ फहराया

-शादाब अली

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। वैश्विक राजनीतिक संगठन भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस गंगापुर शहर की जयपुर बाईपास स्थित भाजपा जिला अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक निवास पर साप्ताहिक कार्यक्रमों के आगाज के साथ मनाया गया कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रपट पर दीप प्रज्वलन करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय ध्वज की पूजा-अर्चना के साथ किया गया इस अवसर पर सभापति शिवरतन अग्रवाल,प्रधान मंजू गुर्जर ,महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष राधा दीक्षित,शिक्षाविद समाजसेवी डॉ. हेमंत शर्मा,भाजपा स्थापना दिवस पखवाड़े के जिला संयोजक दीपक सिंघल मंचासीन रहे भाजपा विधानसभा मीडिया प्रमुख धनेश शर्मा ने बताया कि उक्त अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर ने अपने उद्बोधन में पंडित दीनदयाल उपाध्याय ,श्यामा प्रसाद मुखर्जी,परम श्रद्धेय पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ,सुषमा स्वराज जैसे भाजपा के श्रद्धावान नेताओं की उपस्थिति में बंबई अधिवेशन में 6 अप्रैल 1980 को भाजपा की स्थापना की चर्चा करते हुए वर्तमान परिस्थितियों में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को आधार मानते हुए अटल बिहारी वाजपेई के द्वारा किए गए अपने शासन के राष्ट्रीय कीर्तिमानों की चर्चा में परमाणु परीक्षण,संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत का श्रेष्ठ

प्रतिनिधित्व और देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी द्वारा राष्ट्र को आगामी निकट भविष्य में वैश्विक स्तर पर विकसित राष्ट्र के रूप में प्रत्येक भारतीय की भूमिका को कर्तव्यनिष्ठा के साथ निभाने का आव्हान करने का सभी से आग्रह किया गया साथ ही प्रधानमंत्री द्वारा "वन नेशन-वन इलेक्शन" के विचार को सभी कार्यकर्ताओं से अपने आसपास के वातावरण में आमजन के साथ चर्चा करने का भी आह्वान किया गया इसी प्रकार राजस्थान प्रदेश में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा अपने कार्यकाल में प्रदेश की संपन्नता में अनेकों कार्यों को वास्तविक अमलीजामा पहनाने की बात करते हुए भारतीय जनता पार्टी संगठन के कार्यकाल की सराहना की गयी उक्त भाजपा स्थापना दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं द्वारा अपने-अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों पर भी संगठन के ध्वज को पूजा अर्चना के साथ विधिवत रूप से लहराया गया इस अवसर पर भाजपा पूर्व जिला उपाध्यक्ष रामसिंह खटाना,सभापति शिवरतन अग्रवाल,पूर्व जिला महामंत्री मनोज बंसल,प्रधान मंजू गुर्जर द्वारा भी भारतीय जनता पार्टी संगठन के ऐतिहासिक परदेशी के संदर्भ में पार्टी के समस्त पुरोधाओं के संगठन एवं राष्ट्र हित में त्याग और बलिदान के बारे में अपने विचार व्यक्त किए गए भाजपा मीडिया प्रमुख शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष महेंद्र दीक्षित,मंडल अध्यक्ष मिथलेश व्यास,शिवदयाल जोशी,रघुनाथ फौजी, ओमप्रकाश पटेल,नितेश मोदी,सारांश जैन,गोविन्द गुप्ता,गिर्राज प्रसाद बीईईओ,बलवीर सोनी,गौरव मंगल,वेदप्रकाश शर्मा,विजय सिंह जादौन,रवि गोठवाल,गोविंद पाराशर,अतुल शर्मा,सुरेश चंद शर्मा, महेश चंद शर्मा, सिरमौर गुर्जर ,विक्रम फिरासपुर सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डॉ. गणपतलाल वर्मा को "क्लिनिकल एक्सीलेंस अवार्ड" से सम्मानित किया गया

शादाब अली

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। सेहत साथी फाउंडेशन द्वारा आयोजित "इम्पल्स इंटरनेशनल स्पोर्ट्स रिहैबेकॉन - सीजन 3" में राजस्थान के प्रख्यात फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. गणपतलाल वर्मा को "क्लिनिकल एक्सीलेंस अवार्ड (सीनियर कैटेगरी)" से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें फिजियोथेरेपी के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान और मरीजों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रदान किया गया। डॉ. वर्मा पिछले 13 वर्षों से फिजियोथेरेपी के क्षेत्र में कार्यरत हैं और उन्होंने अब तक 40,000 से अधिक मरीजों को सफलतापूर्वक उपचार प्रदान किया है। उनकी विशेषज्ञता ऑर्थोपेडिक, न्यूरो और पीडियाट्रिक रिहैबिलिटेशन में है। पुरस्कार प्राप्त करने के दौरान डॉ. वर्मा ने कहा, "यह सम्मान सिर्फ मेरा नहीं, बल्कि पूरे फिजियोथेरेपी समुदाय का है। मैं सेहत साथी

फाउंडेशन और आयोजन समिति का धन्यवाद करता हूँ, जिन्होंने फिजियोथेरेपी के महत्व को बढ़ावा देने के लिए यह मंच प्रदान किया। हम सभी को मिलकर इस क्षेत्र को और आगे बढ़ाना है और अधिक से अधिक लोगों तक इसकी पहुँच बनानी है।इस सम्मेलन का मुख्य विषय "ग्लोबल ट्रेंड्स इन द स्पोर्ट्स इंडस्ट्री: इनोवेशन, इकोनॉमिक्स एंड इंटरनेशनल इंटीग्रेशन" था, जिसमें देश-विदेश के विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। सेहत साथी फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित इस आयोजन में फिजियोथेरेपी और खेल पुनर्वास से जुड़े नवीनतम शोधों पर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर चिकित्सा और खेल विज्ञान जगत की कई प्रतिष्ठित हस्तियाँ उपस्थित थीं, जिन्होंने फिजियोथेरेपी और स्पोर्ट्स रिहैबिलिटेशन के क्षेत्र में हो रहे विकास को सराहा।

सांगानेर की फिजा में जहर घोलने की कोशिश नाकाम, मूर्ति खंडित करने वाला निकला सिद्धार्थ सिंह

सादिक हिंदुस्तानी

जयपुर/सांगानेर, (रॉयल पत्रिका)। सांगा बाबा की पवित्र धरा पर अवतरित हुए राक्षस प्रवर्ती के कुछ लोग सांगानेर की गंगा जमुनी तहजीब में पलीता लगाने की कोशिश में लगे हुए हैं। कुछ लोग धर्म का चोला ओढ़कर उन्माद फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे कट्टरपंथी लोगों की सोच पर दया आती है। सांगानेर के प्रताप नगर सेक्टर 3 में तेजाजी की मूर्ति को खंडित करने वाली घटना ने ऐसे लोगों का पर्दाफाश कर दिया है। जिनकी संकीर्ण सोच मुस्लिम समाज को हमेशा नीचा दिखाने की रहती है। ऐसे मुट्ठी भर कट्टर पंथी लोग दोनों समाज में आसानी से उपलब्ध रहते हैं। ऐसे लोगों की सोच बदलने के लिये समाज के बुद्धिजीवी लोगों को आगे आकर अपनी सूझ-बूझ और प्यार भरी हिदायत से नफरती लोगों का माइंड वाश करना चाहिए। सदियों से चली आ रही हिन्द-मुस्लिम भाई-चारे की परंपरा को कायम रखने में एक दूसरे की दिल से मदद करना चाहिए। ऐसे लोगों

के रवैये से ऐसा प्रतीत होता है कि उक्त घटना में यदि कोई व्यक्ति मुस्लिम समाज से होता तो ईद का त्यौहार मनाने में बहुत बड़ी अड़चन पैदा हो सकती थी। किसी भी समाज का व्यक्ति अगर इस तरह की घिनौनी हरकत करता है तो सिर्फ़ उसको ही दंड मिलना चाहिए, पूरे समाज को नहीं। इस जहरीली मानसिकता को त्याग कर वर्षों से चली आ रही गंगा-जमुनी तहजीब को जिंदा रखने का प्रयत्न करना चाहिए। 35 सेक्टर के निवासियों को छोटा पाकिस्तान कह कर पुकाराना, उन्हें आतंकवादी कहना अत्यंत गंभीर आरोप है। इसकी पुनरावृत्ति नहीं होना चाहिए। इसकी जितनी भी हो सके सभी समाज के बुद्धिजीवियों को आगे आकर भर्त्सना करनी चाहिए। हिंदू मुस्लिम एकता की मिसाल कायम करना चाहिए। 35 सेक्टर में अभी तक ऐसी कोई घटना घटित नहीं हुई है। जिससे सामाजिक सौहार्द खराब हुआ हो, खास तौर से अल्पसंख्यक समुदाय की ओर से। किसी भी समुदाय को हीनभावना से देखना, उनकी भावनाओं को ठेस पहुंचाने के बराबर है। हम तो बस इतना ही कहेंगे कि - हाथों में गीता रखेंगे सीने में कुरान रखेंगे। भाईचारे का संख बजेगा अमन की एक अजान रखेंगे। हिंदू भी होगा मुस्लिम भी होगा लेकिन पहले हिंदुस्तान रखेंगे

खोया पाया

यह सूचित किया जाता है कि मैं जावेद पुत्र श्री मुश्ताक अहमद निवासी मकान नंबर 45, एम.के. विहार, नाई की थड़ी, रामगढ़ रोड, लालवास, जिला जयपुर (राजस्थान) का निवासी हूं। मेरा नाम प्लॉट नंबर 45-बी, एम.के. विहार, नाई की थड़ी, रामगढ़ रोड, जिला जयपुर में स्थित है, जिसका कुल क्षेत्रफल 55 वर्गगज का पट्टा जो कि शांति नगर गृह निर्माण सहकारी समिति लि., जयपुर रजिस्ट्रेशन नंबर 2650/एल द्वारा जारी किया गया था। प्लॉट का मूल पट्टा, नक्शा व रसीद मेरे पास से ब्रह्मपुरी क्षेत्र के आसपास कहीं गुम हो गए हैं, जो काफी तलाश के बाद भी नहीं मिल पाए हैं। यदि किसी व्यक्ति को उक्त दस्तावेज़ मिलें तो सूचित करें।

जावेद पुत्र मुश्ताक अहमद
मोबाइल: 9314381354

बहिश्त का ख़ज़ाना है

छुड़ा कर अपनी अंगुली को बताना चाहता है वो
तलाशे ज़िन्दगी में उसको भी ज़ोहर दिखाना है
सनम खाने में मिलता है ना बुतखाने में मिलता है
बड़ा नायाब हीरा है वो बहिश्त का ख़ज़ाना है
बहुत शीरीं ज़ुबां से उसने जब मुझको पुकारा तो
मैं था अनजान फिर भी हां में हां उसकी मिलाना है
सफ़र में राह के पत्थर गिने जाते नहीं अक्सर
पहुंच कर अपनी मंजिल पे ज़माने को दिखाना है
तुम्हारी उम्र की खातिर ना जाने क्या क्या सहते हैं
जो ख़ुद कमसिन है नादां है उन्हें क्या क्या बताना है
बहुत मकबूल हैं लोगों में क़िस्से भी हज़ारों हैं
हमारा दिल ये चाहता है के उनसे दिल लगाना है

तख़लीक़:- फ़ज़लुर्रहमान
सहायक सचिव (सेवा निवृत्त)
मोबाइल नं. 9828668877

मदरसों में शुरू हुआ सेनेटरी नैपकिन चेतना अभियान "पीरियड का पीरियड" का प्रथम चरण

-आयोजित वर्कशॉप में छात्राओं को मिली मासिक धर्म स्वास्थ्य व जागरूकता से संबंधी जानकारियाँ

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान मदरसा बोर्ड व जगन फाउंडेशन की पहल पर राजस्थान मदरसा बोर्ड से पंजीकृत मदरसों में सेनेटरी नैपकिन चेतना अभियान "पीरियड का पीरियड" के प्रथम चरण की शुरुआत सोमवार को जयपुर के हटवाड़ा स्थित मदरसा ज़ीनतुल उलूम से हुई। अभियान का शुभारंभ अतिरिक्त निदेशक, अल्पसंख्यक मामलात विभाग अबू सूफियान चौहान के मुख्य आतिथेय में हुआ। इस दौरान सचिव, राजस्थान मदरसा बोर्ड चेतन चौहान, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी अभिषेक सिद्धा, इमाम मोहम्मद मुफीद, जगन फाउंडेशन की निदेशक मालविका मुद्गल सहित मदरसा बोर्ड के अधिकारीगण/कर्मचारीगण, मदरसा ज़ीनतुल उलूम की छात्राएं और शिक्षकगण व जगन फाउंडेशन के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। अतिरिक्त निदेशक, अल्पसंख्यक मामलात विभाग अबू सूफियान चौहान ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि बालिकाओं के समग्र विकास के लिए सही पोषण, स्वच्छता और स्वास्थ्य की अच्छी देखभाल आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मासिक धर्म एक कुदरती प्रकिया है तथा इसकी मालूमात हर बच्ची को होनी चाहिए। मासिक धर्म स्वास्थ्य की जागरूकता व इससे जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने लिए मदरसा बोर्ड व जगन फाउंडेशन द्वारा चलाया जा रहा अभियान एक अच्छी पहल है। श्री चौहान ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा महिलाओं और किशोरियों को स्कूल, कॉलेज, मदरसों, आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से निःशुल्क सैनेट्री पैड वितरित किए जा रहे है।

श्री क्षत्रिय कुमावत समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन त्रिवेणी धाम, साईंवाड में किया गया आयोजित

-विधायक यादव ने वर वधू को दी सुखद दाम्पत्य जीवन की शुभकामनाएँ

जयपुर/ मनोहरपुर, (रॉयल पत्रिका)। श्री क्षत्रिय कुमावत समाज का 16 वा सामूहिक विवाह सम्मेलन त्रिवेणी धाम, साईंवाड में श्री क्षत्रिय कुमावत समाज विकास समिति रजि. समिति द्वारा आयोजित किया गया। इस मौके पर कांग्रेस विधायक मनीष यादव ने विवाह सम्मेलन में पहुँचकर वर वधू को सुखद दाम्पत्य जीवन की शुभकामनाएँ दी। विधायक यादव ने कहा कि सामूहिक विवाह सम्मेलन से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सहायता मिलती है साथ ही यह परंपरा समाज में समानता, सहयोग और एकता को बढ़ावा देती है। विधायक ने आयोजनकर्ताओं को

भी इस प्रकार से आयोजन करने पर धन्यवाद दिया। समिति के आयोजनकर्ताओ ने विधायक का आभार जताया और कहा कि आज 16 वे सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन में गरीब व आर्थिक रूप से कमजोर लोगो को सहायता मिलती है।

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका में भुगतान नकद या चेक द्वारा रॉयल पत्रिका के पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100241695 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नजदीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद।
-संपादक

Scan Here

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

हमीद खान मेवाती को उमराह करने पर सम्मानित किया

जयपुर/मनोहरपूर, (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष हमीद खान मेवाती ने तीन अप्रैल को जयपुर जिले के चोमूँ विधानसभा क्षेत्र के चोमूँ नगर अध्यक्ष दिलशाद गोरी के ऑफिस में एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस अवसर पर, भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के जयपुर जिला देहात उत्तर के जिला अध्यक्ष अब्दुल सत्तार खान के नेतृत्व में हामिद खान मेवाती को उमरा हज जाने के अवसर पर सम्मानित किया गया। चोमूँ विधानसभा क्षेत्र के पदाधिकारियों ने उन्हें माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर धन्यवाद ज्ञापित किया। अब्दुल सत्तार खान ने कहा कि बड़े ही खुश नसीब होते है वो लोग जो ख़ुदा के घर का दीदार करते है। इस कार्यक्रम में मोर्चे के प्रदेश आई-टी सेल प्रभारी इरशाद हसनपुरा, जयपुर शहर उपाध्यक्ष और पार्षद प्रत्याशी शाहनवाज अंसारी, मोर्चा के महामंत्री निजामुद्दीन काजी, उपाध्यक्ष सलीम शाह, जिला मंत्री सलीम शेलार, जिला कोषाध्यक्ष अयूब खान, जिला मीडिया प्रभारी माहिर गोरी और अन्य कई कार्यकर्ता शामिल थे। अध्यक्ष ने इस अवसर पर सभी कार्यकर्ताओं को ईद की मुबारकबाद दी और उनका आभार व्यक्त किया।

ममता संस्था के नेतृत्व में मनाया गया विश्व स्वास्थ्य दिवस

जयपुर/सांगानेर, (रॉयल पत्रिका)। विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष में सोमवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सांगानेर टाउन जिला जयपुर में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें ममता हेल्थ इंस्टिट्यूट ऑफ़ मदर एंड चाइल्ड जयपुर संस्था के द्वारा संचालित डिटॉल बनेगा स्वस्थ इंडिया के प्रतिनिधि ब्लॉक को ऑर्डिनेटर वर्षा गुप्ता के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में कई प्रकार की गतिविधियां बच्चों को कराई गई। जिसमें बच्चों ने उत्साह पूर्वक बढ़-चढ़कर भाग लिया। इसमें बच्चों के लिए कई प्रकार के कार्यक्रम रखे गए। पोस्टर प्रतियोगिता, दातों की सफाई तथा स्वास्थ्य से संबंधित बच्चों को जानकारी दी गई। बच्चों में लापरवाही की वजह से दांतों में कई प्रकार की बीमारियां हो जाती हैं। इसलिए डॉक्टर रामस्वरूप डेंटिस्ट को बुलाया गया।जिनके द्वारा बच्चों के दांतों की अच्छी तरह से जांच की गई। इस मौके पर हाइजीन रैली भी निकाली गई।आगे भी बच्चों में उत्साह बना रहे इसलिए उनको पुरस्कार भी वितरित किए गए। इस कार्यक्रम में विद्यालय स्टाफ तथा प्रधानाध्यापक का पूर्ण सहयोग रहा।

रिसर्च फाउंडेशन ऑफ़ इंडिया ने सांगानेर के ख्यातनाम एडवोकेट पवन एंचारा को बनाया ब्रांड एंबेसडर

मोहम्मद सादिक हिंदुस्तानी

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। समाज सेवा, मानवता और संस्कृति के क्षेत्र में लगातार उल्लेखनीय योगदान देने वाले एडवोकेट पवन एंचारा को रिसर्च फाउंडेशन ऑफ़ इंडिया ने अपना ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है। यह नियुक्ति उनके सामाजिक सरोकार, सेवा भावना और वैश्विक स्तर पर किए गए कार्यों के प्रति सम्मान का प्रतीक है। पवन एंचारा एक समर्पित समाजसेवी, जीवन ज्योति संस्थान के चेयरमैन और सरल, मिलनसार तथा मृदुभाषी व्यक्तित्व के धनी हैं। उन्होंने वेलेंटाइन डे को "रोटी डे" के रूप में मनाने का आह्वान कर समाज को भारतीय संस्कृति से जोड़ने का कार्य किया, जिसे देश-विदेश में सराहना मिल रही है। पिछले 25 वर्षों से वे रक्तदान, नेत्रदान, वस्त्र बैंक, बुक बैंक, रोटी बैंक, कच्ची बस्तियों में भोजन एवं शिक्षा सामग्री वितरण जैसे कार्यों में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं। साथ ही वे मंदबुद्धि एवं विकलांग बच्चों के लिए विशेष स्कूल भी संचालित कर रहे हैं। पवन एंचारा को विश्व शांति और प्रेम के संदेश वाहक के

रूप में भी पहचाना जाता है। उन्हें वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स (यूके), गोल्डन बुक ऑफ द अर्थ, स्टार रिकॉर्ड्स बुक ऑफ इंटरनेशनल, और ओएमजी बुक ऑफ रिकॉर्ड्स जैसे प्रतिष्ठित रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है। इसके अलावा, वोक फाउंडेशन, यूएसए द्वारा उन्हें पीस एंबेसडर की उपाधि भी प्रदान की जा चुकी है। अब तक उन्हें समाज सेवा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कुल 18 पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। उनके प्रयासों ने न केवल सांगानेर बल्कि पूरे जयपुर और भारत का नाम अंतरराष्ट्रीय पटल पर गौरवान्वित किया है।

हिंदू-मुस्लिम एकता समिति जयपुर में कई बरसों से दिखा रही मेल-मिलाप का नया रास्ता

-जयपुर की गंगा-जमुनी तहजीब को जमीनी स्तर पर दिया नया जीवन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर से ईद के मौके पर एक ऐसी मिसाल सामने आई थी, जिसने समाज में भाईचारे और एकता की भावना को और भी मजबूत कर दिया है। ईद के दिन जयपुर के दिल्ली बाईपास स्थित ईदगाह पर 'हिंदू-मुस्लिम एकता सामाजिक समिति, शास्त्री नगर' की ओर से एक खास कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें हिंदू समुदाय के लोगों ने नमाज अदा कर लौट रहे मुस्लिम नमाजियों का गुलाब की पंखुड़ियों से स्वागत किया। इस आयोजन ने गंगा-जमुनी तहजीब की बेहतरीन झलक दिखाई और यह संदेश दिया कि भारत की खूबसूरती उसकी सांझी संस्कृति में है। भगवा कुर्ता और गमछा पहने समिति के सदस्यों ने मंच से फूलों की वर्षा कर नमाजियों को ईद की मुबारकबाद दी। इस आयोजन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर सराही गई। यह कार्यक्रम 'हिंदू-मुस्लिम एकता सामाजिक समिति, शास्त्री नगर, जयपुर' द्वारा आयोजित किया गया था जो बीते चार वर्षों से यह आयोजन कर रही है। इस समिति का गठन 2018 में किया गया था, जब शास्त्री नगर क्षेत्र में कुछ उपद्रवों के चलते सांप्रदायिक तनाव बढ़ गया था। इस स्थिति को देखते हुए स्थानीय लोगों जिनमें ज्ञानचंद खंडेलवाल, फिरोजुद्दीन, निजामुद्दीन भाटी, कैलाश चंद यादव, मजहर हुसैन और अन्य गणमान्य लोगों ने मिलकर इस समिति की स्थापना की। समिति को 2022 में आधिकारिक रूप से पंजीकृत कराया गया। समिति का मुख्य उद्देश्य सांप्रदायिक सौहार्द्र बनाए रखना, समाज में भाईचारे को बढ़ावा देना और पुलिस एवं जनता के बीच सकारात्मक संबंध स्थापित करना है। इसके तहत समिति समय-समय पर नागरिक सम्मान, स्वास्थ्य शिविर और अन्य जनहितकारी कार्यक्रम भी आयोजित करती है।

समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष फिरोजुद्दीन से खास बातचीत

'हिंदू-मुस्लिम एकता सामाजिक समिति" के वरिष्ठ उपाध्यक्ष फिरोजुद्दीन ने बताया कि समिति की स्थापना लगभग पाँच साल पहले हुई थी और 2022 में इसे आधिकारिक रूप से पंजीकृत किया गया। इस समिति की स्थापना का ख्याल तब आया जब जयपुर के शास्त्री नगर क्षेत्र में सांप्रदायिक तनाव की घटनाएँ हुईं, जिससे शहर का माहौल बिगड़ गया। इससे यह महसूस हुआ कि एक ऐसी समिति होनी चाहिए जो सभी समुदायों को जोड़कर आपसी भाईचारा और शांति बनाए रखने का प्रयास करे। समिति ने विभिन्न समुदायों के लोगों को एक मंच पर लाकर चुनाव प्रक्रिया के माध्यम से अध्यक्ष, सचिव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष आदि पदाधिकारियों का चयन किया। वर्तमान में इस समिति के 100 से अधिक सक्रिय सदस्य हैं। फिरोजुद्दीन ने बताया कि समिति का मुख्य उद्देश्य सांप्रदायिक सौहार्द्र बनाए रखना है। शुरुआत में हिंदू त्योहारों जैसे रामनवमी, दशहरा, गणेश चतुर्थी आदि पर फूल बरसाने जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते थे। इसके बाद यह विचार आया कि यदि हिंदू त्योहारों पर ऐसा किया जा सकता है, तो मुस्लिम त्योहारों पर भी ऐसा होना चाहिए। इसी सोच के साथ समिति ने ईद के अवसर पर भी फूल बरसाने की परंपरा शुरू की, जो पिछले चार वर्षों से लगातार जारी है। इस वर्ष के आयोजन में लगभग 18-20 हिंदू भाइयों ने भाग लिया और महासचिव फिरोजुद्दीन सहित अन्य लोगों ने गुलाब की पंखुड़ियाँ बरसाईं। आयोजन की तैयारी पुलिस प्रशासन की अनुमति और सुरक्षा व्यवस्था के साथ की गई, जिससे यह सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। वरिष्ठ उपाध्यक्ष फिरोजुद्दीन के अनुसार, समिति भविष्य में भी ऐसे आयोजन जारी रखेगी। इसके अलावा, समिति ने 2022 में जयपुर के शास्त्री नगर थाने में एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया था, जिसमें हिंदू समुदाय के लोगों को आमंत्रित किया गया और इस्लामिक विद्वानों द्वारा हजरत मोहम्मद साहब की सीरत (जीवन) पर व्याख्यान दिलवाया गया। यह संभवतः राजस्थान में पहली बार हुआ कि किसी थाने में इस्लामिक विद्वान ने नबी की शिक्षाओं पर प्रकाश डाला। इस पहल से दोनों समुदायों के बीच बेहतर समझ और आपसी सम्मान की भावना को बढ़ावा मिला। फिरोजुद्दीन ने बताया कि ईद के इस आयोजन की प्रतिक्रिया बेहद सकारात्मक रही। मुस्लिम भाइयों ने हिंदू भाइयों को गले लगाकर ईद की बधाइयाँ दीं। हिंदू भाई भी भगवा टीका लगाकर और सिर पर रुमाल डालकर इस आयोजन में शामिल हुए। यह देखकर लोगों को लगा कि प्रेम और भाईचारे की भावना ही सबसे बड़ी चीज़ है। इस पहल से लोगों में एक नई उम्मीद जगी है। फिरोजुद्दीन का मानना है कि सांप्रदायिक एकता को बढ़ावा देने के लिए जरूरी है कि युवाओं को एक-दूसरे के धर्म और संस्कृति से परिचित कराया जाए। कॉलेज और विश्वविद्यालयों में ऐसे मंच स्थापित किए जाएँ, जहाँ दोनों समुदायों के विद्वान कुरआन और वेदों के सही अर्थ को सामने रखकर एकता का संदेश दें। यह धार्मिक कट्टरता को दूर करने में मदद करेगा। समिति इस दिशा में निरंतर प्रयासरत है।

रूबी खान ने भरी हुंकार: वक़्फ़ मुद्दों पर जनचर्चा और कांग्रेस मज़बूती प्राथमिकता

जयपुर/लखनऊ,(रॉयल पत्रिका)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अल्पसंख्यक विभाग की प्रभारी रूबी खान ने हाल ही में एक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिये उत्तर प्रदेश राज्य के अल्पसंख्यक कांग्रेस कार्यकर्ताओं से संवाद किया। इस संवाद के दौरान उन्होंने कांग्रेस के सशक्तिकरण मुहिम को और तेज़ी से आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया। इस मुहिम का प्रमुख उद्देश्य अल्पसंख्यक विभाग को महिलाओं, युवाओं और ज़मीनी स्तर के कार्यकर्ताओं के साथ अधिक मज़बूती देना है। बैठक में रूबी खान ने लखनऊ में आयोजित होने वाली संगठनात्मक बैठकों की अहमियत को रेखांकित किया और कहा कि इन बैठकों के ज़रिये पार्टी का मज़बूती से जनाधार बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने ज़िलों में जाकर कार्यकर्ताओं और नेताओं से सीधा संवाद स्थापित करने की बात कही, ताकि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी का संदेश ज़मीनी स्तर तक पहुंचाया जा सके। उन्होंने यह भी ज़ोर दिया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का प्रभावी इस्तेमाल किया जाए ताकि अल्पसंख्यक विभाग की आवाज़ कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, एआईसीसी के सदर और राज्यसभा सदस्य इमरान प्रतापगढ़ी, तथा यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय तक पहुंच सके। बैठक में एक महत्वपूर्ण सुझाव भी सामने आया—वक़्फ़ बोर्ड संशोधन विधेयक को लेकर जनमत संग्रह कराने का। रूबी खान ने इस पर सहमति जताते हुए कहा कि यह सर्वेक्षण वक़्फ़ बोर्ड से जुड़ी समस्याओं को गहराई से समझने और उनके समाधान की दिशा में प्रभावी नीति बनाने में मददगार हो सकता है। उन्होंने इसे अल्पसंख्यक समुदाय के अधिकारों की रक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। बैठक के अंत में रूबी खान ने विश्वास जताया कि इन सभी प्रयासों से अल्पसंख्यक विभाग में नई ऊर्जा का संचार होगा और कांग्रेस पार्टी को मज़बूत आधार मिलेगा। उन्होंने इस पहल को समाज में सकारात्मक बदलाव की दिशा में एक प्रतीकात्मक शुरुआत बताया।

जरूरतमंद विद्यार्थियों से शिक्षा सहायता के लिए माँगे आवेदन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जरूरतमंद विद्यार्थियों की शिक्षा के लिए समर्पित समर्पण संस्था की ओर से शैक्षिक सत्र 2025-26 में शिक्षा सहायता के लिए कक्षा 1 से कॉलेज स्तर तक के जरूरतमंद विद्यार्थियों से आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। शिक्षा सहायता के तहत चयनित विद्यार्थियों को किताबें, फीस के चैक, स्टेशनरी, स्कूल बैग, नोट बुक्स आदि भेंट की जायेगी। कार्यालय में शिक्षा दान अभियान के पोस्टर का विमोचन संस्था पदाधिकारियों ने किया ।विमोचन में संस्थापक अध्यक्ष आर्किटेक्ट डॉ. दौलत राम माल्या के साथ वरिष्ठ उपाध्यक्ष सी. एल. वर्मा, उपाध्यक्ष हीरालाल बैरवा, वस्त्र बैंक प्रभारी शेखर चन्देल उपस्थित रहे। संस्थापक अध्यक्ष आर्किटेक्ट डॉ. दौलत राम माल्या के अनुसार विद्यार्थी चयन प्रक्रिया में पहली शर्त यह होगी कि विद्यार्थी ने गत परीक्षा में 60% से अधिक अंक प्राप्त किये हो। इसके बाद सबसे पहले उन विद्यार्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी जिनके माता-पिता नहीं हैं। दूसरी वरीयता में उन विद्यार्थियों को लिया जाएगा जिनके पिता नहीं या बीमार चल रहे हैं। तीसरी वरीयता में उन विद्यार्थियों को लिया जायेगा जिनके माता-पिता की आर्थिक स्थिति बहुत ख़राब है। आवेदन पत्र संस्था के वर्किंग कार्यालय 18 बी, श्रीकल्याण नगर, करतारपुरा, जयपुर से या वेबसाइट www.samarpansanstha.org से प्राप्त किये जा सकते हैं । पूर्ण विवरण के साथ फॉर्म भरकर जमा करवाने की अंतिम तिथि 25 अप्रैल 2025 निर्धारित की गई है। संस्था द्वारा आगामी 06 जुलाई 2025 को "11 वाँ शिक्षा दान महोत्सव " आयोजित किया जायेगा। चयनित सभी विद्यार्थियों को " शिक्षा दान महोत्सव " में बुलाकर शिक्षण सामग्री व फीस के चैक भेंट किये जायेंगे। उल्लेखनीय है कि संस्था द्वारा इससे पूर्व गत 15 वर्षों में चयनित 875 जरूरतमंद विद्यार्थियों को शिक्षा सहायता उपलब्ध करवायी जा चुकी है।

अब्दुल अय्यूब गौरी की नई किताब "गीत-ग़ज़ल का गुलदस्ता" का हुआ विमोचन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। ख्वाजा गरीब नवाज अमन कमेटी झोटवाड़ा की ओर से कवि अब्दुल अय्यूब गौरी द्वारा रचित तृतीय पुस्तक गीत गजल का गुलदस्ता का विमोचन समारोह जोशी मार्ग स्थित एक होटल में किया गया। इस अवसर पर होली ईद मिलन समारोह भी आयोजित किया गया। अमन कमेटी के सचिव हाजी गुलाम रसूल मंसूरी के अनुसार प्रोग्राम में हिंदू मुस्लिम एकता के लिए होली-एवं मिलन समारोह में एक दूसरे को मुबारक बाद दी और सामुहिक भोजन का आनंद लिया। पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में विष्णु दासजी नागा महाराज एवं पूर्व जिला जज अयाज मोहम्मद कुरैशी भी मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। इस अवसर पर पूर्व विधायक वीरू सिंह, पूर्व पार्षद मंजू शर्मा सहित कई लोग उपस्थित रहे। इसका टाइटल दो

फिल्मों में माँ-बहन की गालियों पर सख्त रोक की माँग: रवि शंकर धाभाई ने दी देशव्यापी आंदोलन की चेतावनी

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। अखिल भारतीय गुर्जर महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि शंकर धाभाई ने हिंदी फिल्मों में माँ और बहन से जुड़ी गाली-गलौच के बढ़ते चलन पर गहरी आपत्ति जताई है। उन्होंने इसे हिन्द सनातन संस्कृति, देश की मर्यादा और महिलाओं के सम्मान के खिलाफ बताते हुए सख्त कार्रवाई की माँग की है। धाभाई ने इस विषय में केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के अध्यक्ष, केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव और राज्य मंत्री डॉ. एल मुरूगन को एक मांग पत्र भेजा है। इसमें उन्होंने कहा है कि आजकल की फिल्मों में बार-बार माँ और बहन को लेकर आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे युवाओं में गलत संदेश जा रहा है और सामाजिक वातावरण दूषित हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गाली-गलौच से देश की महिलाओं की गरिमा, संस्कृति और धार्मिक आस्थाओं को ठेस पहुँच रही है। सिर्फ डिस्क्लेमर या चेतावनी देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि ऐसे संवादों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। धाभाई ने चेतावनी दी है कि अगर तीन दिनों के भीतर सभी फिल्म प्रोड्यूसर्स को इस विषय में स्पष्ट दिशा-निर्देश नहीं भेजे गए और कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो अखिल भारतीय गुर्जर महासंघ पूरे देश में उग्र आंदोलन शुरू करेगा। उन्होंने कहा कि समय रहते सख्त कदम न उठाने की स्थिति में इसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों और विभागों की होगी। उन्होंने अपने पत्र को जनहित में लिया गया कदम बताया और आग्रह किया कि तीन दिनों में की गई कार्रवाई से उन्हें अवगत कराया जाए।

रामनवमी पर जयपुर में गंगा-जमुनी तहज़ीब की मिसाल, मुस्लिम महिलाओं ने किया शोभा यात्रा का स्वागत

जयपुर, (रॉयल पत्रिका) राजधानी जयपुर ने एक बार फिर गंगा-जमुनी तहज़ीब की मिसाल पेश की। 6 अप्रैल को रामनवमी पर निकली भव्य शोभायात्रा में हिन्द और मुस्लिम समुदाय के लोगों ने मिलकर भाईचारे की अनूठी तस्वीर पेश की। सूरजपोल अनाज मंडी से शुरू हुई यात्रा रामगंज, जौहरी बाजार, सांगानेरी गेट होते हुए चांदपोल बाजार के रामचंद्र जी मंदिर तक पहुंची। रामगंज और घाटगेट जैसे मुस्लिम बहुल इलाकों में मुस्लिम युवाओं ने टोपी और भगवा गमछा पहनकर रामभक्तों का स्वागत किया। शरबत पिलाया और खाने-पीने की व्यवस्था की गई। खास दृश्य तब देखने को मिला जब नेशनल मुस्लिम वुमेन वेलफेयर सोसाइटी की महिलाओं ने शोभायात्रा पर फूल बरसाए। सोसाइटी की अध्यक्ष निशात हुसैन ने कहा, "हम हर साल इस शोभायात्रा का स्वागत करते हैं। हमारा मकसद भाईचारे को बढ़ावा देना है।" मानवाधिकार संघठन पीयूसीएल और जिला शांति समिति सहित कई सामाजिक संगठनों की भागीदारी से यह आयोजन और भी खास बन गया। निशात हुसैन ने बताया कि संस्था केवल स्वागत तक सीमित नहीं रहती, बल्कि माहौल की निगरानी कर यह सुनिश्चित करती है कि महिलाओं के साथ कोई अनुचित व्यवहार न हो। हिंदू-मुस्लिम महिलाओं ने मिलकर कार्यक्रम में हिस्सा लिया और जयपुर की मेयर कुसुम यादव से मुलाकात कर उन्हें रामनवमी की बधाई दी। मेयर ने निशात हुसैन को गले लगाकर सराहना व्यक्त की। निशात हुसैन के मुताबिक, बुर्के में खड़ी महिलाओं को फूल बरसाते देख युवाओं का व्यवहार बदल गया, और वे आशीर्वाद लेने तक आए। जयपुर पुलिस प्रशासन ने भी इस सौहार्द्रपूर्ण प्रयास की सराहना की। नेशनल मुस्लिम वुमेन वेलफेयर सोसाइटी, जो 1990 के दंगों के बाद बनी थी, पिछले 32 सालों से महिलाओं के हक, शिक्षा और सुरक्षा पर काम कर रही है और हर धर्म व समुदाय की महिलाओं के लिए दो काउंसलिंग सेंटर संचालित करती है। इस मौके पर कार्यक्रम में जहाँआरा, नसीम, सना, शाहीन, खुशबू, कांता और सुनीता सहित कई महिलाएं शामिल रही।

दी बार एसोसिएशन वक्फ जयपुर द्वारा ईद मिलन व सीनियर अधिवक्ता सम्मान समारोह का आयोजन 11 अप्रैल को

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। दी बार एसोसिएशन वक्फ, जयपुर द्वारा ईद मिलन समारोह एवं सीनियर अधिवक्ता सम्मान कार्यक्रम का आयोजन 11 अप्रैल 2025, शुक्रवार (जुमा) को शाम 5:00 बजे आर.सी. सेंटर, कांवटिया सर्किल, शास्त्री नगर, जयपुर में किया जाएगा। इस आयोजन में वकालत के क्षेत्र में 40 वर्षों से अधिक अनुभव रखने वाले वरिष्ठ अधिवक्ताओं को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में सभी अधिवक्ताओं एवं समाजसेवियों को आमंत्रित किया गया है। साथ ही, कार्यक्रम के पश्चात डिनर की भी व्यवस्था की गई है। आयोजन के संरक्षक सीनियर एडवोकेट सैय्यद शाहिद हसन साहब हैं जो पूर्व चेयरमैन एवं सदस्य, बार काउंसिल ऑफ राजस्थान तथा सदस्य, राजस्थान बोर्ड ऑफ मुस्लिम वक्फ रह चुके हैं। दी बार एसोसिएशन वक्फ के अध्यक्ष वाहिद नकवी एवं महासचिव महासचिव सिराजुद्दीन बादशाह हैं।

आओ पहचानें भारतीय संस्कृति को -अभियान" के तहत जयपुर के मदरसों में हुए विविध कार्यक्रम

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जयपुर जिले में मदरसों में नवाचार के लिए पहचाने जाने वाले जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी अभिषेक सिद्ध ने "आओ पहचानें भारतीय संस्कृति को" नामक अभियान की शुरुआत की है। अभियान के तहत जयपुर के मदरसों में मार्च माह के अंतिम 10 दिनों में भारतीय संस्कृति, परंपरा और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम के तहत 22 मार्च को जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव के जन्म एवं दीक्षा कल्याणक के उपलक्ष्य में पोस्टर, निबंध और पेंटिंग प्रतियोगिताएँ की गई। विद्यार्थियों को सत्य, अहिंसा, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह के महत्व के बारे में बताया गया। 30 मार्च को हिंदू/ भारतीय नववर्ष के अवसर पर नवसंवत्सर की ऐतिहासिक और वैज्ञानिक मान्यताओं पर परिचर्चा की गई। विद्यार्थियों को गुड़ी पड़वा, उगादी आदि त्योहारों के महत्व के बारे में बताया गया। साथ ही, भगवान झूलेलाल के जीवन और शिक्षाओं पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। साथ ही रमजान माह में विद्यार्थियों को रोज़ा, इफ्तार और दान-पुण्य की परंपराओं से अवगत कराया गया। ईद के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम किए गए , जहाँ विद्यार्थी द्वारा ईद मुबारक कहने की परंपरा निभाई गई और भाईचारे का संदेश दिया। इसके अलावा 30 मार्च को राजस्थान दिवस के अवसर पर राजस्थान के इतिहास, लोकसंस्कृति और विरासत को जानने के लिए पोस्टर व चित्रकला प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई। विद्यार्थियों को राजस्थान के वीर योद्धाओं और लोककलाओं से परिचित कराया गया। अभिषेक सिद्ध ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य मदरसा स्कूलों के विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति से परिचित कराना हैं एवं स्कूली जीवन से ही भविष्य में होने वाले किसी भी प्रकार के कॉम्पिटिशन एग्जाम के लिए तैयार करना हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को बताया जाता हैं कि विश्व की सभी संस्कृतिया धूमिल हो गई, कैसे भारतीय संस्कृति आज तक न केवल जीवित हैं बल्कि पुष्पित एवं पल्लवित होती जा रही हैं।इस कार्यक्रम से सभी स्कूलों के विद्यार्थियों में काफी उत्साह देखा गया। विद्यार्थियों को क्विज प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता आदि के माध्यम से संस्कृति के तत्वों के बारे में बताया जा रहा हैं।

ईद के मौके पर पार्षद सौहेल रईस मंसूरी ने कर्मचारियों को घर बुलाकर खिलाई खीर और बांटी ईदी

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। ईद-उल-फितर के मौके पर जहाँ लोग अपने घरों में त्योहार की खुशियाँ मना रहे थे, वहीं जयपुर नगर निगम हेरिटेज के वार्ड 76 से पार्षद सौहेल रईस मंसूरी ने इस दिन को एक मिसाल में तब्दील कर दिया। पार्षद मंसूरी ने वार्ड के समस्त सफाई कर्मचारियों और सीवरकर्मियों को अपने घर आमंत्रित कर उनका तहेदिल से सम्मान किया। पार्षद मंसूरी ने बताया कि यह परंपरा वह पिछले चार-पाँच सालों से निभा रहे हैं। कार्यक्रम में करीब 35 से 40 कर्मचारी शामिल हुए, जिन्हें ईद की खास मिठाई खीर और सिवैयाँ परोसी गई और बतौर सम्मान नगद ईदी भी भेंट की गई। सफाईकर्मियों और सीवर कर्मचारियों ने इस मौके पर अपनी खुशी ज़ाहिर करते हुए कहा कि, "आज तक किसी पार्षद ने ऐसा सम्मान नहीं दिया। मिठाई और उपहार तो ऑफिस से भी मिलते हैं, लेकिन इस तरह घर बुलाकर सम्मान देना, ये एक अनोखी बात है।" इस दौरान वार्ड एसआई सुरेश कुमार टुन्डलायत, जमादार नरेश यादव, राजेश चणालिया, सुनिल डाबोडिया, विशाल नकवाल, राजू हाडाला, महेश थामेतिया और सुलेमान अब्बासी समेत कई कर्मचारी मौजूद रहे। सौहेल रईस मंसूरी ने बताया कि इस आयोजन का मकसद केवल मिठाई बाँटना नहीं, बल्कि उन लोगों का शुक्रिया अदा करना है जो रोज़ाना वार्ड की सफाई और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं।

हज़रत सय्यद मुहम्मद दुरवेश साहब क़ादरी व चिश्ती रह. अ. का 266वां सालाना उर्स 13 अप्रैल से

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मोती डूंगरी उनियारा गार्डन स्थित जयपुर की सबसे पुरानी व मशहूर दरगाह हज़रत सय्यद मुहम्मद दुरवेश साहब क़ादरी व चिश्ती रह. अ. का 266वां सालाना उर्स इस वर्ष भी परंपरागत श्रद्धा व अकीदत के साथ मनाया जाएगा। इंतिज़ामिया कमेटी के सचिव अब्दुल मजीद ने जानकारी देते हुए बताया कि उर्स का आग़ाज़ 13 अप्रैल 2025, इतवार से होगा और 14 अप्रैल 2025, सोमवार को इसका समापन होगा। उर्स का शुभारंभ 13 अप्रैल इतवार को रात 8 बजे मीलाद शरीफ़ से होगा, जिसके बाद महफ़िले क़व्वाली का आयोजन किया जाएगा। इशा की नमाज़ के बाद बिरादरी खरादी लुहारान मुलतानी जयपुर की तरफ़ से दरगाह पर अकीदत के फूलों और चादर पेश की जाएगी।वही दूसरे दिन 14 अप्रैल सोमवार को नमाज़-ए-फ़ज्र के बाद क़ुरआन ख़्वानी का आयोजन होगा। इसके बाद सुबह 11 बजे फ़ातेहा व लंगर का इंतज़ाम रहेगा। उर्स का समापन नमाज़-ए-मग़रिब के बाद क़ुल की रस्म के साथ किया जाएगा।

जमाअते इस्लामी हिन्द राजस्थान का ईद मिलन कार्यक्रम सम्पन्न

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जमाअते इस्लामी हिन्द राजस्थान द्वारा मोती डूंगरी स्थित इस्लामी सेंटर में आयोजित ईद मिलन कार्यक्रम में विभिन्न धर्मों और समुदायों के वक्ताओं ने सामाजिक एकता, सौहार्द और इंसानियत को मज़बूत करने की ज़रूरत पर बल दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि "हम अच्छे काम करेंगे तो अच्छा समाज भी बनेगा और ईश्वर भी प्रसन्न होगा।" उन्होंने फ़िलिस्तीन में हो रहे अत्याचारों की निंदा करते हुए सवाल उठाया कि मानवाधिकार की बात करने वाले चुप क्यों हैं। इस अवसर पर ईसाई विचारक सुरेन्द्र पेट्रिक ने कहा कि आज़ादी की लड़ाई में सभी धर्मों का योगदान रहा है, और हमें आशा नहीं छोड़नी चाहिए। समाजसेवी सुमित्रा जी ने कहा कि साम्प्रदायिकता के ख़िलाफ़ मिलकर संघर्ष करना ज़रूरी है। वहीं वेलफेयर पार्टी, SDPI, CPI, गायत्री परिवार, जमिअत उलैमा और दलित-मुस्लिम एकता मंच के प्रतिनिधियों ने भी भाईचारे, संविधान और लोकतंत्र की रक्षा पर जोर दिया। पत्रकार राजन महान ने कहा कि मुसलमानों ने कभी क़ानून नहीं तोड़ा और शांतिपूर्ण ढंग से विरोध कर एक मिसाल कायम की है। विधायक रफ़ीक़ ख़ान ने वक़्फ़ संशोधन बिल की निंदा करते हुए इसे विभाजनकारी बताया। अंत में मेहमानों को सिवय्याँ परोसी गईं। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि एकजुट होकर नफ़रत का मुक़ाबला ही देश को बचा सकता है। इस मौके पर डॉ. मुहम्मद नाज़िमुद्दीन, सुरेन्द्र पेट्रिक (ईसाई विचारक), कैलाश सिंह यादव, सुमित्रा जी, डॉ. शहाबुद्दीन, स्नेहा दीदी, वकार अहमद, हाफ़िज़ मन्ज़ूर अहमद, मोहनलाल बैरवा, प्रोफ़ेसर विशाल, रणजीत जाटव, एडवोकेट मुजाहिद नक़वी, राजन महान, निशा सिद्, विधायक रफ़ीक़ ख़ान एवं डॉ. सैयद नासिर हसन मौजूद रहे।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

वक़्फ़ संशोधित बिल को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका

कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद और एआईएमआईएम के चीफ़ असदुद्दीन ओवैसी के बाद आप विधायक अमानतुल्लाह खान वक़्फ़ संशोधित बिल के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए हैं। माना जा रहा है कि देशभर में दर्जनों मुस्लिम धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाएं वक़्फ़ संशोधित बिल के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर सकती हैं। केंद्र की एनडीए सरकार ने वक़्फ़ बोर्ड मैनेजमेंट में सुधार करने एवं मुसलमानो के विकास के लिए संसद में वक़्फ़ संशोधित बिल पास करवाया है। विपक्षी दलों के ज्यादातर सांसदों और मुस्लिम संगठनों ने वक़्फ़ संशोधित बिल का पुरजोर विरोध शुरू कर दिया है। मुस्लिम संगठन सड़क से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक इस बिल का विरोध कर रहे हैं। मुस्लिम संगठनों का कहना है कि मोदी सरकार की ओर से लाया गया यह बिल वक़्फ़ बोर्ड को बर्बाद करने के लिए लाया गया है। नए वक़्फ़ संशोधित बिल में वक़्फ़ कमेटियों और वक़्फ़ बोर्ड मैनेजमेंट में गैर मुस्लिम को सदस्य बनाना संवैधानिक नहीं है, क्योंकि वक़्फ़ बोर्ड एक मुस्लिम धार्मिक संस्था है और यहां गैर मुस्लिम सदस्य नहीं होने चाहिए। जिस प्रकार राम मंदिर ट्रस्ट में कोई मुस्लिम या गैर हिंदू सदस्य नहीं हो सकता है। दूसरा वक़्फ़ जमीनें वक़्फ़ की है या नहीं? इसका निर्णय अब कलेक्टर भी कर सकता है। मोदी सरकार मुसलमानो से संबंधित अब तक तीन विधेयक संसद में पारित कर चुकी है। जिनमें मुस्लिम महिलाओं के तीन तलाक का विधेयक दूसरा सीएए एवं एनआरसी का विधेयक और तीसरा वक़्फ़ अमेंडमेंट विधेयक। ऐसा लगने लगा है कि मोदी सरकार सत्ता में आने के बाद मुसलमानो को कुछ ज्यादा ही महत्वपूर्ण मानने लगी है, इसलिए मुस्लिम समाज के सुधार की मोदी सरकार को बहुत चिंता है। लेकिन मोदी सरकार जिस समुदाय के ऊपर राजनीति कर रही है और सत्ता में भी हिंदू समुदाय के समर्थन से ही आती है, उसके लिए कोई विशेष कानून नहीं बनाए हैं। हिंदुओं में जातिवाद, दहेज प्रथा, असमान आरक्षण, आर्थिक असमानता एवं विभिन्न सामाजिक कुरीतियां पर कोई कानून नहीं बनाया है। ऐसा लगने लगा है कि जैसे कांग्रेस ने 60 वर्षों तक अल्पसंख्यकों का शोषण किया और सत्ता के मजे लिए। इस तरह भाजपा हिंदुओं का तुष्टिकरण कर रही है और सत्ता के मजे ले रही है। देश की ज्यादातर पार्टिया सांप्रदायिकता की राजनीति कर रही हैं। सरकार देश के समान और सबके विकास की बात से पीछे हट रही है, जबकि देश में भ्रष्टाचार, युवाओं में बेरोजगारी, बढ़ती महंगाई, किसानों, मजदूरों एवं महिलाओं की समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

भ्रष्टाचार किस तरह वक्फ संपत्ति को लूट रहा है !

मुस्लिम समुदाय के कल्याण के लिए दान की गई वक्फ संपत्तियां लंबे समय से भ्रष्टाचार, अतिक्रमण और राजनीतिक हेरफेर की चपेट में हैं। पूरे भारत में, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक कल्याण के लिए बनाई गई इन जमीनों में से हजारों एकड़ जमीन को अवैध रूप से हस्तांतरित, दुरुपयोग या औने-पौने दामों पर पट्टे पर दिया गया है। इस मुद्दे का दायरा चौंका देने वाला है, जो दक्षिण में कर्नाटक से लेकर उत्तर में दिल्ली तक फैला हुआ है। इनके लिए जिम्मेदार वक्फ बोर्डों द्वारा संरक्षित किए जाने के बजाय, इन संपत्तियों को राजनेताओं, बोर्ड अधिकारियों और रियल एस्टेट माफियाओं के गठजोड़ के माध्यम से व्यवस्थित रूप से लूटा गया है। वक्फ बोर्डों से जुड़े भ्रष्टाचार के विशाल पैमाने का अंदाजा कर्नाटक में वक्फ भूमि कुप्रबंधन के खुलासे से लगाया जा सकता है। 2012 में, कर्नाटक राज्य अल्पसंख्यक आयोग ने तत्कालीन मुख्यमंत्री डी.वी. सदानंद गौड़ा ने 27,000 एकड़ वक्फ भूमि के अवैध आवंटन और हेराफेरी का पर्दाफाश किया था। अनुमानित नुकसान ₹2 ट्रिलियन (₹2 लाख करोड़) था - एक आंकड़ा जो आज जमीन की कीमतों में तेजी से वृद्धि को देखते हुए बहुत अधिक होगा। कर्नाटक वक्फ बोर्ड (KWB) की लगभग आधी जमीन भ्रष्टाचार के कारण खो गई, जिसे बोर्ड के सदस्यों ने राजनेताओं और रियल एस्टेट माफियाओं के साथ मिलीभगत करके बढ़ावा दिया। स्कूल, अस्पताल और सामुदायिक कल्याण संस्थानों के निर्माण के लिए इस्तेमाल करने के बजाय, इन जमीनों को या तो अवैध रूप से बेच दिया गया या निजी संस्थाओं को उनके बाजार मूल्य के एक अंश पर सौंप दिया गया। घोटाले की व्यापकता के बावजूद, खोई हुई जमीन को वापस पाने या जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराने के लिए बहुत कम प्रयास किए गए हैं। दिल्ली में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) वर्तमान में दिल्ली वक्फ बोर्ड (डीडब्यूबी) के पूर्व अध्यक्ष अमानतुल्लाह खान की जांच कर रहा है, जिसमें आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने, बोर्ड में तीस से अधिक व्यक्तियों की अवैध नियुक्तियां करने और वक्फ संपत्तियों को पट्टे पर देने में अनियमितताएं शामिल हैं। इस मामले को खास तौर पर चौंकाने वाली बात यह है कि इन अनियमितताओं के खिलाफ शिकायतें मुस्लिम समुदाय के सदस्यों द्वारा ही दर्ज की गई थीं, जो कुप्रबंधन से सीधे प्रभावित

लोगों द्वारा महसूस की गई निराशा और विश्वासघात को उजागर करती हैं। दक्षिण में, तेलंगाना वक्फ बोर्ड कई भूमि अतिक्रमण मामलों में उलझा हुआ है, विशेष रूप से रंगारेड्डी जिले के घाटकेसर मंडल और मेडिपल्ली मंडल में। पिछले कुछ वर्षों में, इन क्षेत्रों में वक्फ भूमि के महत्वपूर्ण हिस्सों पर अतिक्रमणकारियों ने कब्जा कर लिया है, जिसमें बोर्ड की निष्क्रियता भी शामिल है। कई उदाहरणों में, अतिक्रमणकारियों ने वक्फ संपत्तियों के स्वामित्व का दावा करने के लिए विभिन्न अदालतों में रिट याचिकाएं दायर कीं और बोर्ड या तो इन मामलों को ट्रैक करने में विफल रहा या समय पर अपील दायर नहीं की, जिससे और अधिक नुकसान हुआ। यहां तक कि उन स्थितियों में भी जहां अदालतों ने वक्फ बोर्ड के पक्ष में फैसला सुनाया, अधिकारियों ने संपत्तियों को पुनः प्राप्त करने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई, जिससे प्रभावी रूप से अवैध कब्जे जारी रहने की अनुमति मिल गई। चाहे अक्षमता, भ्रष्टाचार या राजनीतिक दबाव के कारण, बोर्ड की कार्रवाई करने में विफलता के परिणामस्वरूप सामुदायिक संपत्तियों का लगातार नुकसान हुआ है, जिन्हें संरक्षित किया जाना चाहिए था। इन संस्थाओं की स्थापना समुदाय की संपत्ति को शिक्षा, सामाजिक कल्याण और आर्थिक उत्थान के लिए सुरक्षित रखने और उसका उपयोग करने के लिए की गई थी, लेकिन इसके बजाय, उन्हें मुनाफाखोरी के रास्ते में बदल दिया गया है।

विभिन्न राज्यों में बार-बार होने वाली घटनाएँ- बोर्ड की नियुक्तियों में राजनीतिक हस्तक्षेप, अधिकारियों और भू-माफियाओं के बीच मिलीभगत और राज्य सरकारों द्वारा हस्तक्षेप न करना- इस बात को उजागर करता है कि समस्या कितनी गहरी हो गई है। खोई गई प्रत्येक एकड़ भूमि समुदाय के लिए एक खोया हुआ अवसर दर्शाती है, जिससे भावी पीढ़ियों को आवश्यक संसाधनों और सेवाओं से वंचित होना पड़ता है। यदि भ्रष्टाचार और उपेक्षा के इस चक्र को तोड़ना है, तो तत्काल सुधार की आवश्यकता है। वक्फ बोर्ड के संचालन में अधिक पारदर्शिता, कुप्रबंधन के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई और वक्फ संपत्तियों को ट्रैक और संरक्षित करने के लिए डिजिटल भूमि रजिस्ट्री का कार्यान्वयन महत्वपूर्ण कदम हैं। इसके अतिरिक्त, लेन-देन की निगरानी करने और यह सुनिश्चित करने के लिए स्वतंत्र निरीक्षण निकाय स्थापित किए जाने चाहिए कि अतिक्रमण पर कानूनी लड़ाई पूरी लगन से लड़ी जाए। इस तरह के प्रणालीगत बदलावों के बिना, वक्फ संपत्तियों की लूट अनियंत्रित रूप से जारी रहेगी, जिससे वह व्यवस्था और कमजोर होगी जिसे मूल रूप से समुदाय के उत्थान के लिए डिज़ाइन किया गया था। वक्फ संपत्तियों का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि क्या इन बोर्डों को शोषण का साधन बनने के बजाय उनके इच्छित उद्देश्य को पूरा करने के लिए सुधारा जा सकता है?

बेगम हजरत महल 1857 की क्रांति की नायिका

पुण्यतिथि पर विशेष....

इतिहास गवाह है कि ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ आजादी की लड़ाई में महिला क्रांतिकारियों जैसे रानी लक्ष्मीबाई, झलकारी बाई, सावित्रीबाई फुले, नीरा आर्य, दुर्गावती देवी जैसी जांबाज क्रांतिकारियों ने पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आजादी की लड़ाई लड़ी। इसी कड़ी में बेगम हजरत महल का नाम भी प्रमुखता से आता है। उन्होंने 1857 की क्रांति में अपना सब कुछ लुटा कर अंग्रेजों से लड़ाइयां लड़ी। अवध की आखिरी बेगम हजरत महल का जन्म सन 1820 में फैजाबाद अवध में हुआ। इनके बचपन का नाम मोहम्मदी था। अवध के शायर नवाब वाजिद अली शाह से विवाह और वारिस को जन्म देने के बाद उन्हें हजरत महल का खिताब दिया गया। 1856 में ईस्ट इंडिया कंपनी के अवध पर कब्जा करने के बाद नवाब को निर्वासित कर कोलकाता भेज दिया गया पर उनकी बेगम अंग्रेजों की गुलामी के लिए तैयार नहीं थी, तथा अपने बेटे के साथ लखनऊ में रहकर जनता के साथ मिलकर अंग्रेजों से लड़ने का फैसला किया। हजरत महल नानासाहेब के साथ मिलकर काम करती रही तथा लखनऊ में 1857 की क्रांति का नेतृत्व किया। आजादी के पहले युद्ध के

दौरान 1857 से 1858 तक राजा जयलाल सिंह की अगुवाई में बेगम हजरत महल के साथियों ने अंग्रेजो के खिलाफ बगावत की और लखनऊ पर फिर से कब्जा कर लिया। हज़रत महल ने अपने बेटे को अवध का शासक घोषित कर दिया। शासन के दौरान बेगम ने हिंदू-मुस्लिम सौहार्द को बढ़ावा दिया उनमें संगठन की अभूतपूर्व क्षमता थी और इसी कारण अवध के जमीदार, किसान और सैनिक उनके नेतृत्व में आगे बढ़ते रहें। आलमबाग की लड़ाई के दौरान अपने सिपाहियों की भरपूर हौसला अफजाई की और हाथी पर सवार होकर अंग्रेजों से लड़ाई लड़ी, लेकिन पराजय के बाद अवध के देहातों में चली गई और वहां भी क्रांति की चिंगारी सुलगाई। रानी लक्ष्मीबाई की तरह उनके सैनिक दल में भी महिलाएं शामिल थी। बेगम हजरत महल ने अपने जीवन के अंतिम दो दशक नेपाल में शरणार्थी के तौर पर गुजारे। अंग्रेजों ने मोटी पेंशन का प्रलोभन देकर वापस बुलाना चाहा लेकिन बेग़म को आजाद अवध की सिवाय कुछ मंजूर नहीं था। वापस लौटने के सारे प्रयास विफल होने के बाद 7 अप्रैल 1879 में नेपाल में ही उनका देहांत हो गया है। उनका मकबरा आज भी काठमांडू में स्थित है। 10 मई 1984 को भारत सरकार ने उनके सम्मान में एक डाक टिकट जारी किया।

स्वतंत्रता सेनानी रहमतुल्लाह मोहम्मद सयानी की

योम ए पैदाईश पर विशेष....

रहमतुल्ला मोहम्मद सयानी का जन्म 5 अप्रैल 1848 को मुंबई में हुआ था। सन 1885 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अधिवेशन में शामिल होने वाले 72 सदस्यों में से 2 प्रख्यात मुस्लिम नेताओं में से एक थे। वह भारत के पहले अंग्रेजी शिक्षा प्राप्त मुस्लिम थे। उन्होंने 1868 में पोस्ट ग्रेजुएट की उपाधि हासिल की थी बाद में उन्होंने कानून की पढ़ाई भी की इस दौरान उन्होंने आवाम से जुड़े अनेक मामलों में केस लड़ा उनके द्वारा मुस्लिम समुदाय को कांग्रेस से जोड़ने के प्रयास सफल हुए इंडियन नेशनल कांग्रेस के आंदोलन को मजबूत करने से देश की आजादी आंदोलन को ताकत मिलेगी इस बात की उन्होंने पुरजोर वकालत भी की। रहमतुल्लाह सयानी स्वतंत्रता सेनानियों के खिलाफ ब्रिटिश हुकूमत द्वारा दायर मुकदमों की भी पैरवी करके बड़ी तादाद में उन्हें कानूनी अधिकार दिलाया। वे मुंबई म्युनिसिपल कॉरपोरेशन के मेयर भी रहे, वह बॉम्बे लेजिसलेटिव काउंसिल और इम्पेलरियल लॉजिस्टिक काउंसलिंग के मेम्बर भी रहे। रहमतुल्लाह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष बने और कोलकाता में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 12 वें वार्षिक अधिवेशन की अध्यक्षता की। इस अधिवेशन में सयानी द्वारा दिया गया भाषण कांग्रेस अधिवेशनों के इतिहास में सर्वोत्तम भाषण में शुमार होता है, इस भाषण को समकालीन जनरलो ने प्रमुखता से छापा गया था। वह हिंदू मुस्लिम एकता के अलंबरदार माने जाते थे और दोनों समुदायों के बीच आपसी भाईचारे के लिए काफी काम किया भारत की स्वतंत्रता आंदोलन में मुसलमानों के शामिल होने के लिए उन्होंने बड़े पैमाने पर प्रेरित किया। रहमतुल्ला सयानी ने अंग्रेजों के अत्याचार के खिलाफ लोगों को जागरूक करने

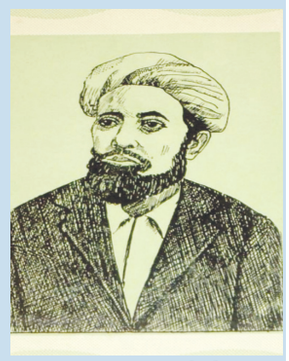

में बड़ी भूमिका निभाई। टैक्सेशन सिस्टम का व्यापक अध्ययन किया और इस आधार पर भारत के किसानों को मध्यम वर्ग के लोगों की कानूनी लड़ाई लड़ी इस प्रकार उन्होंने भारतीय लोगों के हुकूक उनके अधिकारों की रक्षा की लंबी लड़ाई भी लड़ी। रहमतुल्ला सयानी का देहांत 4 जून 1902 को हुआ उनके महत्वपूर्ण योगदान में उन्हें इतिहास के पन्नों में जगह मिली हो हमेशा बात करते रहेंगे।

इस्लाम में औरतों के हक़: 1400 साल पुरानी रौशनी

इस्लाम को अक्सर औरतों के हक़ से जोड़कर देखा जाता है—कभी तारीफ में, तो कभी आलोचना में। मगर हक़ीक़त ये है कि इस्लाम वो पहला धर्म था जिसने औरतों को एक मुकम्मल इंसान की हैसियत दी, ना कि किसी की जायदाद या बोझ की तरह। 1400 साल पहले, जब औरतें ज़िंदा दफ़्न कर दी जाती थीं, इस्लाम ने उन्हें इज़्ज़त, बराबरी और हक़दार बनाया।

इस्लाम के नज़रिए से औरत की पहचान

इस्लाम का पैग़ाम साफ़ है: औरत और मर्द दोनों इंसानियत में बराबर हैं। अल्लाह ने दोनों को अलग-अलग खूबियाँ और जिम्मेदारियाँ दी हैं, मगर किसी को दूसरे से कमतर नहीं बनाया।

•इज़्ज़त और बराबरी

इस्लाम सिखाता है कि औरत को आदर और सम्मान मिलना चाहिए। उसे अपनी मर्ज़ी से सोचने, फैसले लेने और समाज में हिस्सेदारी का पूरा हक़ है।

•सामाजिक हक़ बीवी के तौर पर

इस्लाम में औरत को शादी से पहले अपनी मर्ज़ी से जीवनसाथी चुनने का हक़ है। शादी के बाद, वो 'मेहर' की हक़दार होती है और अगर ज़रूरत हो तो तलाक़ भी ले सकती है। पैग़म्बर मुहम्मद (स.अ.व.) ने कहा:

"तुम में सबसे बेहतर वह है जो अपनी बीवी से अच्छा बर्ताव करे।"

•मां के तौर पर

मां को इस्लाम में सबसे ऊँचा दर्जा दिया गया है। हदीस में है:

"जन्नत मां के कदमों के नीचे है।"

•बेटी और बहन के तौर पर

इस्लाम ने बेटियों को ज़िंदा दफ्न करने की रस्म को न सिर्फ रोका, बल्कि बेटियों की परवरिश को जन्नत का ज़रिया बताया। बहनों को भी विरासत में हिस्सा दिया गया।

आर्थिक हक़

इस्लाम ने औरतों को माली आज़ादी दी है। वह अपनी जायदाद रख सकती है, कारोबार कर सकती है और नौकरी कर सकती है।

हज़रत ख़दीजा (र.अ.) – तिजारत में माहिर

हज़रत आयशा (र.अ.) – इल्म की मिसाल

हज़रत रुफैदा (र.अ.) – पहली मुस्लिम नर्स

हज़रत उम्म-ए-अम्मारा (र.अ.) – जंग में हिस्सा लेने वाली बहादुर महिला

इस्लाम में औरत को विरासत और मेहर दोनों का हक़ है। उसका माल सिर्फ उसका होता है—ना बाप, ना भाई, ना शौहर उसमें दख़ल दे सकते हैं।

राजनीतिक और सामाजिक भागीदारी

इस्लाम ने औरतों को समाज और राजनीति में हिस्सा लेने का हक़ दिया। पैग़म्बर के दौर में औरतों ने 'बयअत' दी, सलाह-मशवरा किया और यहां तक कि हुकूमत भी चलाई।

मशहूर मुस्लिम लेखिका फ़ातिमा मर्निस्सी ने लिखा कि इस्लाम में कई महिलाओं ने रियासतें चलाईं—यह इस बात का सबूत है कि औरत सिर्फ घर की नहीं, समाज की भी रहनुमा है।

इल्म और दीन में औरत की भागीदारी

कुरआन की पहली आयत ही पढ़ने का हुक्म देती है—मर्दों और औरतों दोनों के लिए। इस्लाम में औरत को इल्म हासिल करना फर्ज़ है।हज़रत उम्म-ए-सलमा और फ़ातिमा बिन्त क़ैस जैसी महिलाओं ने फतवे दिए और समाज में दीन की रहनुमाई की। इस्लाम ने औरत को सिर्फ हक़ नहीं दिए—बल्कि उसे वह मुकाम दिया जो उस वक़्त किसी और समाज ने नहीं दिया था। जहां औरतें ज़िंदा दफ्न की जाती थीं, वहीं इस्लाम ने उन्हें जन्नत का रास्ता बताया।

हज़रत मोहम्मद (स.अ.व.) ने आखिरी खुत्बे में फरमाया:

"औरतों के बारे में अल्लाह से डरो।" आज ज़रूरत है कि इस्लाम की असल तालीमात को समझा जाए, और औरतों के हक़ को उनकी असली रूह में लागू किया जाए—ताकि नाइंसाफ़ी, ज़ुल्म और अज्ञानता का ख़ात्मा हो सके।

रमज़ान के बाद की ज़िंदगी: अच्छाई की राह पर कैसे क़ायम रहें

रमज़ान का महीना हमें बेहतर इंसान बनने की प्रेरणा देता है। यह सिर्फ़ एक महीने की इबादत और तौबा का नाम नहीं, बल्कि उस एक महीने से मिली रौशनी को पूरे साल अपनी ज़िंदगी में शामिल करने की एक कोशिश है।

रमज़ान के बाद भी नेक अमल, खुद पर क़ाबू, और दूसरों की मदद जैसे जज़्बात को जारी रखना बहुत ज़रूरी है। यही असल इम्तिहान है – कि हम रमज़ान के असर को अपनी रोज़मर्रा की ज़िंदगी में कैसे बरक़रार रखते हैं।

यहां पेश हैं कुछ ऐसे अमल जिनसे आप रमज़ान के बाद भी अपने अंदर की रूहानियत और अच्छाई को ज़िंदा रख सकते हैं:

सदक़ा और मदद का सिलसिला जारी रखें

रमज़ान में हम ख़ुशी-ख़ुशी दान करते हैं, लेकिन सच्ची दरियादिली तब होती है जब इंसान हर वक़्त दूसरों का ख्याल रखे। सदक़ा सिर्फ़ पैसों से नहीं, आपकी मुस्कान, समय और मदद से भी होता है। हर महीने कुछ हिस्सा ग़रीबों, यतीमों, या ज़रूरतमंदों के लिए रखिए। याद रखिए, मदद सिर्फ़ रमज़ान की नहीं, इंसानियत की ज़िम्मेदारी है।

ख़ुद पर क़ाबू रखना

रमज़ान हमें भूख और प्यास सहकर सब्र सिखाता है। यही सब्र हमें पूरे साल चाहिए, चाहे खाने में हो या ग़ुस्से में, पैसों में हो या रिश्तों में। कम खाएं, सोच-समझकर खर्च करें और अपनी नफ़्स को काबू में रखें। यही असली तर्ज़-ए-ज़िंदगी है।

एक बच्चे की पढ़ाई का ज़िम्मा लें

किसी यतीम या ग़रीब बच्चे की पढ़ाई की ज़िम्मेदारी लेना सदक़ा-ए-जारिया (चलती रहने वाली नेकी) है। बहुत सी संस्थाएं छोटी-छोटी रकम में बच्चों की तालीम का इंतज़ाम करवाती हैं। आप चाहें तो हर महीने या साल में थोड़ा-थोड़ा देकर किसी का भविष्य संवार सकते हैं।

हर काम में बेहतरीन बनने की कोशिश

रमज़ान में हम अपनी हर हरकत पर ध्यान देते हैं, झूठ नहीं बोलते, वक़्त पर इबादत करते हैं। यही रवैया हमें काम और रिश्तों में भी अपनाना चाहिए। चाहे दफ़्तर हो या घर, पूरी ईमानदारी और मेहनत से काम करें। यही रमज़ान की असली रूह है।

हर महीने एक रोज़ा ज़रूर रखें

हर महीने एक दिन रोज़ा रखिए। ये आपको फिर से रमज़ान की याद दिलाएगा। उस दिन तस्बीह पढ़ें, सोचें कि ज़िंदगी में क्या बेहतर किया जा सकता है। ये छोटा सा अमल आपको रूहानी तौर पर तरोताज़ा कर देगा।

रवैये में बर्दाश्त और सहनशीलता लाएं

रमज़ान में हम ज़्यादा नरम मिज़ाज हो जाते हैं। दूसरों की गलतियों को माफ़ कर देते हैं। यही सलीका पूरे साल रखें।सबकी बात को सुनें, नए ख़यालों को समझें, और हर किसी को इज़्ज़त दें। यही सच्चा मुसलमान बनने का रास्ता है।

मांसाहार कम करें

इस्लाम हमें इंसाफ़ और रहम सिखाता है, जानवरों के साथ भी। जब बहुत सारे विकल्प हैं तो हर दिन गोश्त खाना ज़रूरी नहीं। हर हफ्ते सिर्फ़ एक-दो बार ही मांस खाएं, इससे सेहत भी बेहतर रहेगी और ज़मीन पर रहम भी बढ़ेगा।

हर महीने एक बार वालंटियर बनें

किसी नेक काम के लिए हर महीने थोड़ा समय निकालें, किसी यतीमखाने, लाइब्रेरी, सफ़ाई अभियान या हेल्पलाइन में वालंटियर बनें। यह अमल न सिर्फ़ समाज में आपकी अहमियत बढ़ाता है, बल्कि दिल को सुकून भी देता है।

रमज़ान के बाद अगर हम वही बन गए जो पहले थे, तो हमने इस मुबारक महीने से कुछ नहीं सीखा। लेकिन अगर हम इन नेकियों को अपनी आदत बना लें, तो यक़ीन मानिए, रमज़ान ने हमें बेहतर इंसान बना दिया।

तो आइए, ईद की ख़ुशियों को नई ज़िम्मेदारियों के साथ अपनाएं और पूरी दुनिया को दिखा दें कि एक मुसलमान, सिर्फ़ रमज़ान में नहीं, हर दिन नेक और रहमदिल होता है।

तनाव और बेचैनी से निपटने के लिए रुहानी तरीके

आज की तेज़ रफ़्तार ज़िंदगी में जहाँ हर तरफ़ डर, दबाव और अनिश्चितता फैली हुई है, वहाँ मानसिक तनाव और बेचैनी आम समस्या बन चुकी है। हर दिन हमें किसी न किसी बात का डर दिखाया जाता है—कभी बीमारियों का, कभी राजनीतिक संकटों का, तो कभी आर्थिक असुरक्षा का। ऐसे माहौल में मुसलमानों के लिए यह जानना बेहद अहम है कि इस्लाम न केवल इन परेशानियों को पहचानता है बल्कि उनसे निपटने का एक सशक्त और संतुलित तरीका भी पेश करता है। इस्लाम हमें सिखाता है कि हम अपनी ज़िम्मेदारियाँ निभाएँ, लेकिन नतीजों को अल्लाह पर छोड़ दें। इस लेख में हम ऐसे रूहानी तरीक़ों की चर्चा करेंगे जो इस्लामी तालीमात पर आधारित हैं और जो मानसिक तनाव व बेचैनी से लड़ने में आपकी मदद कर सकते हैं।

1. तकलीफ़ को समझें: हर दर्द एक सबक़ हो सकता है

दुनिया में ज़ुल्म, प्राकृतिक आपदाएँ, बीमारियाँ और हादसे नई बात नहीं हैं। ये इंसानी जीवन का हिस्सा हैं।

लेकिन इस्लाम सिखाता है कि हर मुश्किल सिर्फ़ एक सज़ा नहीं होती, बल्कि वह इंसान को परखने, सुधारने और ऊपर उठाने का ज़रिया भी हो सकती है।जिस तरह कोई भी समझदार इंसान बिना संघर्ष के नहीं बनता, उसी तरह हर तकलीफ़ हमें एक सबक़ दे सकती है अगर हम उसे सही नज़र से देखें। पैग़म्बरों, समाज सुधारकों और महान हस्तियों ने भी तकलीफ़ों को झेलकर ही अपने किरदार को बुलंद किया।इसलिए हमें हर कठिनाई को एक "छुपी हुई रहमत" समझना चाहिए, जो हमें अंदर से मज़बूत बना सकती है।

2. दूसरों की मदद करें: ख़ुद को न भूलें, मगर सिर्फ़ ख़ुद तक सीमित न रहें

इस्लाम हमें इंसानियत की सेवा का हुक्म देता है। जब हम दूसरों की मदद करते हैं — चाहे छोटी हो या बड़ी — तो हमें यह एहसास होता है कि हम किसी के काम आ रहे हैं। पैग़म्बर मुहम्मद (सल्ल.अ.) ने फ़रमाया: "जो बुराई देखे, उसे अपने हाथ से रोके; अगर न कर सके तो ज़बान से; और अगर ये भी न कर सके, तो दिल से नापसंद करे और ये ईमान का सबसे कमज़ोर दर्जा है।" (सहीह मुस्लिम) जब हम अपने से कम भाग्यशाली लोगों की परेशानियाँ देखते हैं और उनकी मदद करते हैं, तो हमें अपने ग़म छोटे लगने लगते हैं। साथ ही, ये यक़ीन भी होता है कि अल्लाह हमारी नेकियों को ज़रूर क़बूल करेगा। मदद करने से न सिर्फ़ दूसरों को राहत मिलती है, बल्कि हमारा अपना दिल भी हल्का होता है।

3. अल्लाह को जानें और उस पर तवक्कुल रखें

ज़िंदगी में बहुत कुछ हमारे क़ाबू से बाहर होता है। जब हम इस सच्चाई को स्वीकार कर लेते हैं और अल्लाह की क़ुदरत पर भरोसा करते हैं, तो दिल को तसल्ली मिलती है। क़ुरआन में अल्लाह फ़रमाता है: "क्या ये लोग नहीं जानते कि जिसने आसमान और ज़मीन को पैदा किया, वो मुर्दों को भी ज़िंदा कर सकता है? बेशक! वो हर चीज़ पर क़ादिर है।" (Qur'an 46:33)

इस्लाम हमें सिखाता है कि हम कोशिश करें, मेहनत करें, लेकिन नतीजे अल्लाह पर छोड़ दें। अगर चीज़ें हमारी प्लानिंग के मुताबिक़ न भी हों, तो मायूस न हों। क्योंकि अल्लाह फ़रमाता है: "...और अल्लाह सबसे बेहतरीन तदबीर करने वाला है।" (Qur'an 8:30) जो चीज़ हमारे लिए मुक़द्दर है, वो हमें मिलकर रहेगी। और जो नहीं है, उससे बेहतर अल्लाह हमारे लिए रखता है।

4. इस्लामी रूटीन अपनाएं: नमाज़ को दिल का सुकून बनाएँ

तनाव से निपटने के लिए रूटीन बनाना वैज्ञानिक रूप से भी साबित तरीक़ा है। और इस्लाम ने हमें इससे कहीं ज़्यादा कुछ दिया है — पाँच वक्त की नमाज़। क़ुरआन में कहा गया:"सब्र और नमाज़ से मदद माँगो। और बेशक ये (नमाज़) भारी है, सिवाय उनके जो अल्लाह के सामने झुकने वाले हैं।" (Qur'an 2:45) हर नमाज़ एक ठहराव है — एक मौक़ा है अल्लाह से बात करने का, उसे अपने दिल की हालत बताने का, और उसके सामने रोने का। नमाज़ हमें याद दिलाती है कि हम अकेले नहीं हैं। हमारा रब, जो सबसे बड़ा, सबसे रहम वाला और सबसे क़रीब है — वो हमारी पुकार सुनता है।हर सजदा एक सुकून है, हर दुआ एक इलाज है।

अगर हम इन बातों को अमल में लाएँ, तो न सिर्फ़ हमारा दिल हल्का होगा, बल्कि हमें ज़िंदगी की हर आँधी से लड़ने की ताक़त भी मिलेगी।

मुस्लिम रिश्ते

रॉयल पत्रिका साप्ताहिक में मुस्लिम रिश्तों में विज्ञापन देने हेतु संपर्क करें -

मोबाइल: 9772552446, 9799559096

Sunni Muslim Girl 32/5.3"/B. Tech in Electronics & Communications/Working in Semi Govt. Deptt./Deeni Taleem yafta/Homely girl. Father retd. from Indian Railway. Well educated and reputed family of Jaipur. Need religious, well educated and settled boy from well reputed family. Contact: 9828453954

Muslim Qureshi Caste Girl 34/5.6"/ Ph.D (Business Management)/MBA (HR & Marketing)/At present an Assistant Professor/Namazi and well versed in Quran. Jaipur based reputed family. Father Businessman. Seeking an educated Sunni Muslim religious boy from reputed family. Interested person contact: 9314966151

चूरू (राजस्थान) निवासी सुन्नी मुस्लिम पठान खान, दीनी तालीम याफ़्ता लड़की 24/5.2"/ एम एस सी (फिजिक्स)/ रंग फेयर, बैंक एग्जाम की तैयारी कर रही है, हेतु सुयोग्य पढ़े - लिखे, सेटल्ड मुस्लिम युवक को प्राथमिकता । इच्छुक व्यक्ति संपर्क करे - मोबाइल: 97851 62654

30/5.3"/ पोस्ट ग्रेजुएट व 27/5.3"/ ग्रेजुएट / दीनी तालीम याफ़्ता, नमाज़ी/ जयपुर निवासी रेप्यूटेड फैमिली। दोनों बैंक में कार्यरत मुस्लिम सैयद युवकों के लिए खूबसूरत, ग्रेजुएट , घर के काम में दक्ष अच्छे घराने की लड़कियां चाहिए। इच्छुक व्यक्ति लड़कियों का बायो डाटा व्हाट्सएप्प करें - 97995 59096

सैयद मुस्लिम युवती 23/5.5"/ बी ए/खूबसूरत, गृह कार्य में दक्ष व दीनी तालीम याफ़्ता सवाई माधोपुर की प्रतिष्ठित फैमिली हेतु खूबसूरत, दीनदार, नौकरीपेशा/बिजनेसमैन प्रतिष्ठित फैमिली के युवक की आवश्यकता है । संपर्क करें - +91 96369 22143

29 Years Old MBBA Doctor, Working in Dehli , Kota Based Family,Needs MBBS Girls. Contact - 9829068455

Kota Based, 31/5.3/B.tech, PG Diploma in Banking, MBA in Finance, BSTC, Experience 3 years in ICICI Bank [Special Officar], Sunni Muslim Rangrez Girl. Father - Princeipal, Mother- House Wife, One Younger brothers. Required Educated, Honest life Partner Contact – 9829068455

Baran Based 27/5.4/B.Tech., M.Tech. Girls, Working as a Civil Enginear With a Private Firm At Gurgaon. Father Bussiness Man, Mother House Wife, Elder Brother is Govt Doctor, Well Settled Family, Required Well honest Settled, Honest Life partner. Contact – 9829068455

ऑपरेटर और डिप्लोमा तकनीशियन के 98 पदों पर निकली वैकेंसी, 18 अप्रैल तक करें आवेदन

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) ने 2025 की बड़ी भर्ती प्रक्रिया शुरू करते हुए ऑपरेटर और डिप्लोमा तकनीशियन के कुल 98 पदों पर वैकेंसी निकाली है। इच्छुक उम्मीदवार HAL की आधिकारिक वेबसाइट hal-india.co.in पर जाकर 18 अप्रैल 2025 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। HAL द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, आवेदन प्रक्रिया 4 अप्रैल से शुरू हो चुकी है। इस भर्ती में वे उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं जिनके पास संबंधित ट्रेड में आईटीआई या इंजीनियरिंग डिप्लोमा की योग्यता है।

पदों का विवरण:
ऑपरेटर
डिप्लोमा तकनीशियन
कुल पद: 98

चयन प्रक्रिया:
उम्मीदवारों का चयन लिखित परीक्षा, दस्तावेज़ सत्यापन और मेडिकल परीक्षण के आधार पर किया जाएगा।

महत्वपूर्ण तिथियाँ:
ऑनलाइन आवेदन शुरू: 4 अप्रैल 2025
अंतिम तिथि: 18 अप्रैल 2025

शैक्षणिक योग्यता:
ऑपरेटर पद के लिए: आईटीआई पास उम्मीदवार
डिप्लोमा तकनीशियन के लिए: इंजीनियरिंग डिप्लोमा (संबंधित ब्रांच में)

आवेदन प्रक्रिया:
उम्मीदवार HAL की वेबसाइट पर जाएं।
"Careers" सेक्शन में उपलब्ध आवेदन लिंक पर क्लिक करें।
रजिस्ट्रेशन कर आवेदन फॉर्म भरें, दस्तावेज़ अपलोड करें और सबमिट करें।
HAL ने उम्मीदवारों को सलाह दी है कि वे आवेदन से पहले पूरी अधिसूचना ध्यानपूर्वक पढ़ें ताकि किसी भी गलती से बचा जा सके। यह भर्ती विशेष रूप से तकनीकी योग्यता रखने वाले युवाओं के लिए सुनहरा अवसर है।

रेल इंडिया टेक्निकल एंड इकनॉमिक सर्विस भर्ती 2025: प्रोफेशनल्स के 26 पदों पर निकली वैकेंसी

रेल इंडिया टेक्निकल एंड इकनॉमिक सर्विस (RITES) ने 2025 के लिए विभिन्न प्रोफेशनल पदों पर भर्ती के लिए अधिसूचना जारी की है। यह भर्ती रेसिडेंट इंजीनियर, स्ट्रक्चरल इंजीनियर और इंस्पेक्टर समेत कुल 26 पदों के लिए है। इन पदों के लिए बी.टेक/बी.ई या डिप्लोमा योग्यता रखने वाले उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 2 अप्रैल 2025 से शुरू हो चुकी है और आवेदन की अंतिम तिथि 21 अप्रैल 2025 सुबह 11 बजे तक है। इन पदों के लिए इच्छुक अभ्यर्थी RITES की आधिकारिक वेबसाइट rites.com के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।
भर्ती विवरण: कुल पद: 26
रेसिडेंट इंजीनियर: 20 पद
स्ट्रक्चरल इंजीनियर: 1 पद
इंस्पेक्टर-II: 3 पद
इंस्पेक्टर-II (सिविल): 1 पद
इंस्पेक्टर-II (मैकेनिकल): 1 पद
शैक्षणिक योग्यता: उम्मीदवारों के पास मान्यता प्राप्त संस्थान से संबंधित क्षेत्र में बी.टेक/बी.ई या डिप्लोमा होना चाहिए। आयु सीमा: अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष है (21 अप्रैल 2025 की स्थिति में)। आरक्षित वर्ग को नियमानुसार आयु में छूट दी जाएगी।
आवेदन शुल्क: इंस्पेक्टर पदों के लिए –
सामान्य/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस: ₹300 + टैक्स
एससी/एसटी/पीडब्ल्यूडी: ₹100 + टैक्स
अन्य पदों के लिए कोई आवेदन शुल्क नहीं है।
चयन प्रक्रिया: इन पदों पर भर्ती के लिए लिखित परीक्षा प्रस्तावित है, जो 4 मई 2025 को आयोजित की जा सकती है। इच्छुक और पात्र उम्मीदवार

मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना के अंतर्गत निःशुल्क कोचिंग के लिए आवेदन आमंत्रित

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा वर्ष 2024-25 के लिए मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु निःशुल्क कोचिंग के लिए योग्य अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह योजना सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के मेधावी विद्यार्थियों को समान अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से चलाई जा रही है। योजना के अंतर्गत RPSC द्वारा आयोजित सब-इंस्पेक्टर, इंजीनियरिंग और मेडिकल प्रवेश परीक्षा, RRB (रेलवे), RSSB द्वारा आयोजित पटवारी और कनिष्ठ सहायक परीक्षाएँ, CLAT, बैंकिंग/बीमा क्षेत्र की परीक्षाएँ, तथा CA, CS, CMA जैसी प्रोफेशनल परीक्षाओं की तैयारी शामिल है। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी अभिषेक सिद्ध ने जानकारी दी कि इच्छुक अभ्यर्थी 03 अप्रैल 2025 से 12 अप्रैल 2025 तक SSO पोर्टल (https://sso.rajasthan.gov.in) पर CM Anuprati Coaching Icon के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। इस योजना के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश और मानक संचालन प्रक्रिया विभागीय वेबसाइट www.sje.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध हैं। यह योजना उन विद्यार्थियों के लिए एक सुनहरा अवसर है जो संसाधनों की कमी के कारण उच्च स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी नहीं कर पाते। पात्र अभ्यर्थियों को सूचीबद्ध कोचिंग संस्थानों में निःशुल्क कोचिंग की सुविधा दी जाएगी।

रेलवे में 9900 पदों पर निकली भर्ती; 10 अप्रैल से शुरू आवेदन, 10वीं पास करें अप्लाई

रेलवे में असिस्टेंट लोको पायलट के 9900 पदों पर भर्ती निकली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट indianrailways.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।
पोस्ट : 9900 पदों पर
पद : असिस्टेंट लोको पायलट
आवेदन शुरु:
10 अप्रैल से 9 मई 2025 तक
एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
10वीं पास
संबंधित ट्रेड में आईटीआई की डिग्री
अन्य पदों के लिए इंजीनियरिंग में डिप्लोमा या डिग्री
एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 वर्ष
अधिकतम : 30 वर्ष
आयु की गणना 1 जुलाई 2025 को आधार मानकर की जाएगी।
सभी आरक्षित वर्गों को सरकारी नियमों के अनुसार अधिकतम उम्र में छूट दी गई है
फीस :
सामान्य, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 500 रुपए
अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, दिव्यांग, भूतपूर्व सैनिक, सभी महिला : 250 रुपए
सैलरी :
19,900 रुपए प्रतिमाह
सिलेक्शन प्रोसेस :
सीबीटी फर्स्ट और सीबीटी सेकेंड एग्जाम
सीबीएटी
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल एग्जाम
एग्जाम पैटर्न :
कंप्यूटर बेस्ड एग्जाम सीबीटी फर्स्ट में मैथ्स, मानसिक योग्यता, सामान्य विज्ञान और सामान्य जागरूकता से संबंधित 75 प्रश्न पूछे जाएंगे।
हर प्रश्न एक अंक का होगा जिसे सॉल्व करने के लिए 60 मिनट दिए जाएंगे।
सीबीटी सेकेंड एग्जाम पार्ट 1 में गणित, जनरल इंटेलिजेंस व रीजनिंग, बेसिक साइंस और इंजीनियरिंग से संबंधित 100 प्रश्न पूछे जाएंगे।
इसे सॉल्व करने के लिए 90 मिनट का टाइम मिलेगा।
पार्ट 2 में टेक्निकल से संबंधित 75 प्रश्न पूछे जाएंगे। इसे सॉल्व करने के लिए 60 मिनट का समय दिया जाएगा।
सीबीटी एग्जाम में नेगेटिव मार्किंग एक तिहाई रहेगी।
ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट indianrailways.gov.in पर जाएं।
संबंधित भर्ती लिंक पर क्लिक करें।
अपना नाम, ईमेल पता, मोबाइल नंबर और अन्य जानकारी दर्ज करें।
बर्थ सर्टिफिकेट सहित जरूरी डाक्यूमेंट्स की स्कैन कॉपी अपलोड करें।
रजिस्ट्रेशन फीस जमा करें।
फाइनल सबमिट कर सेव कर लें या प्रिंटआउट ले लें।

DRDO में 70 पदों पर निकली भर्ती; एज लिमिट 30 साल, बिना एग्जाम के होगा सिलेक्शन

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन यानी DRDO में इंजीनियर, फिटर सहित अन्य पदों पर भर्ती निकली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट www.drdo.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।
आवेदन शुरु:
4 अप्रैल से 20 अप्रैल तक
एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
संबंधित क्षेत्र में ।TI की डिग्री
एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 30 साल
रिजर्व कैटेगरी को सरकारी नियमों के अनुसार उम्र में छूट दी जाएगी
स्टाइपेंड :
13,000 रुपए प्रतिमाह
सिलेक्शन प्रोसेस :
एकेडमिक मार्क्स
ट्रेड टेस्ट
मेडिकल, पुलिस वेरिफिकेशन
ऐसे करें ऑनलाइन आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट drdo.gov.in पर जाएं।
होमपेज पर करियर सेक्शन पर क्लिक करें।
अप्लाई लिंक पर क्लिक करके रजिस्ट्रेशन करें।

ISRO में 10वीं पास से ग्रेजुएट्स तक के लिए भर्ती, 15 अप्रैल तक करें अप्लाई

इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन यानी ISRO में असिस्टेंट, ड्राइवर, फायरमैन और कुक के 16 पदों पर भर्ती निकाली है। इसके लिए आज यानी 1 अप्रैल से आवेदन शुरू हो रहे हैं। कैंडिडेट्स vssc.gov.in पर जाकर एप्लिकेशन दर्ज कर सकते हैं।
आवेदन शुरु :
1 अप्रैल से 15 अप्रैल 2025 तक
पद-
असिस्टेंट- 2
ड्राइवर- 10
फायरमैन- 3
कुक- 1
एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
असिस्टेंट- मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से 60% मार्क्स के साथ ग्रेजुएशन, हिंदी टाइपिंग, कंप्यूटर की नॉलेज।
लाइट व्हीकल ड्राइवर- 10वीं पास, LVD लाइसेंस होना चाहिए, 3 साल का एक्सपीरियंस।
हैवी व्हीकल ड्राइवर- 10वीं पास, HVD लाइसेंस होना चाहिए, 5 साल का एक्सपीरियंस।
फायरमैन- SSLC/ SSC पास
कुक- SSLC/ SSC पास, 5 साल का एक्सपीरियंस
सैलरी :
असिस्टेंट- 25,500- 81,100 रुपए
लाइट व्हीकल ड्राइवर- 19,900- 63,200 रुपए
हैवी व्हीकल ड्राइवर- 19,900- 63,200 रुपए
फायरमैन- 19,900- 63,200 रुपए
कुक- 19,900- 63,200 रुपए
एज लिमिट :
असिस्टेंट- 18 से 28 साल
लाइट व्हीकल ड्राइवर- 18 से 35 साल
हैवी व्हीकल ड्राइवर- 18 से 35 साल
फायरमैन- 18 से 25 साल
कुक- 18 से 35 साल
सिलेक्शन प्रोसेस :
असिस्टेंट- रिटन टेस्ट, स्किल टेस्ट
लाइट व्हीकल ड्राइवर- रिटन टेस्ट, स्किल टेस्ट
हैवी व्हीकल ड्राइवर- रिटन टेस्ट, स्किल टेस्ट
फायरमैन- मेडिकल एग्जामिनेशन, रिटन टेस्ट, फिजिकल एफिशिएंसी टेस्ट
कुक- रिटन टेस्ट, स्किल टेस्ट
ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट vssc.gov.in पर जाएं।
होमपेज पर "Register" या "New Registration" पर क्लिक करें।
अप्लाई नाउ पर क्लिक करके जरूरी डिटेल्स दर्ज करें।
मांगे गए डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फीस जमा करके फॉर्म सब्मिट करें।
इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

राजस्थान में जूनियर केमिस्ट की भर्ती; एज लिमिट 40 साल, पीजी फाइनल ईयर स्टूडेंट को भी मिलेगा मौका

राजस्थान लोक सेवा आयोग (RPSC) ने जूनियर केमिस्ट भर्ती 2025 के लिए नोटिफिकेशन जारी किया है। 9 अप्रैल को आवेदन शुरू होने के बाद उम्मीदवार वेबसाइट rpsc.rajasthan.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकेंगे।
आवेदन शुरु :
9 अप्रैल से 8 मई 2025 तक
कैटेगरी वाइस वैकेंसी डिटेल्स :
सामान्य (यूआर) : 06
ईडब्ल्यूएस : 01
अनुसूचित जाति : 02
अन्य पिछड़ा वर्ग : 03
अति पिछड़े वर्ग : 01
कुल पदों की संख्या : 13
एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी या संस्थान से केमिस्ट्री में एमएससी की डिग्री
राजस्थान के कल्चर का नॉलेज
संबंधित विषय से पीजी फाइनल ईयर डिग्री के छात्र-छात्राएं भी अप्लाई कर सकते हैं। उम्मीदवारों को आरपीएससी की ओर से कंडक्ट कराए जाने वाले इंटरव्यू से पहले डिग्री हासिल करने का प्रूफ देना होगा।
एज लिमिट :
न्यूनतम : 21 वर्ष
अधिकतम : 40 वर्ष
आरपीएससी नियमों के अनुसार आयु में छूट दी जाएगी।
सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन एग्जाम
इंटरव्यू
सैलरी :
पे मैट्रिक्स लेवल - 12 के अनुसार
फीस :
सामान्य : 600 रुपए
ओबीसी/बीसी : 400 रुपए
एससी/एसटी : 400 रुपए
जरूरी डॉक्यूमेंट्स :
शैक्षणिक योग्यता की मार्कशीट
उम्मीदवारों का आधार कार्ड
जाति प्रमाण पत्र
मूल निवास प्रमाण पत्र
उम्मीदवार की पासपोर्ट साइज फोटो
उम्मीदवार के सिग्नेचर
मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी
ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट rpsc.rajasthan.gov.in पर जाएं।
रिक्रूटमेंट पोर्टल में जूनियर केमिस्ट के लिए अप्लाई लिंक पर क्लिक करें।
आवेदन फॉर्म में पूछी गई सभी जानकारी दर्ज करें।
जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
अपनी कैटेगरी के अनुसार फीस का भुगतान करें।
फॉर्म सब्मिट करें। इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

खजूर खाने के फ़ायदे – एक नेमत, एक सुन्नत

- पैग़म्बर मुहम्मद (ﷺ) ने खजूर की अहमियत को समझा और उसे उम्मत के साथ साझा किया।
खजूर यानी खजूर का फल, नबी (ﷺ) का पसंदीदा फल और दुनिया भर के मुसलमानों के लिए एक ख़ास मुक़ाम रखने वाला फल। हर मुस्लिम घर में खजूर आम तौर पर मिलती है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस्लाम में
क़ुरआन में खजूर और खजूर के पेड़ का ज़िक्र 22 बार आया है — किसी भी और फल से ज़्यादा — जो इसकी इस्लाम में गहराई से जुड़ी अहमियत को दिखाता है। नबी करीम (ﷺ) न सिर्फ़ खुद खजूर पसंद करते थे, बल्कि दूसरों को भी इसे खाने की तालीम देते थे। उन्हें खजूर तोहफे में मिलती, और वो इसके फ़ायदे अपनी उम्मत को बताते। पैग़म्बर मुहम्मद (ﷺ) ने फ़रमाया: "पेड़ों में एक ऐसा पेड़ है जिसके पत्ते नहीं झड़ते और वह एक मुसलमान की तरह है। बताओ वह कौन सा पेड़ है?" लोग सोचने लगे, और मैंने (अब्दुल्लाह बिन उमर) सोचा कि शायद खजूर का पेड़ होगा लेकिन जवाब देने से झिझक रहा था। फिर नबी (ﷺ) ने फ़रमाया, "वह पेड़ खजूर का पेड़ है।" [बुखारी]
यह मिसाल देकर नबी (ﷺ) ने यह समझाया कि सच्चा मोमिन भी उसी तरह मजबूत होता है जैसे खजूर का पेड़। मोमिन भी हर हाल में अल्लाह की तरफ़ बढ़ता है, जैसे खजूर के पेड़ की शाखें सूरज की ओर बढ़ती हैं। और जैसे खजूर का पेड़ ज़मीन को फ़ायदा पहुंचाता

है, वैसे ही एक मोमिन उम्मत को नफ़ा देता है, दीन को फैलाता है।

सेहत के लिहाज़ से खजूर के फ़ायदे
नबी (ﷺ) ने खजूर को न सिर्फ़ मिसाल के तौर पर, बल्कि सेहत के लिए भी अहम बताया। उन्होंने फ़रमाया:
"जो आदमी रोज़ सुबह सात अज़वा खजूर खाता है, उसे उस दिन न जहर असर करेगा न जादू।" [बुखारी]
खजूर में बहुत से फ़ायदेमंद तत्व होते हैं, जो इंसान की सेहत को बनाए रखते हैं। हर रोज़ 7 खजूर खाना हमारे जिस्म को संतुलन में रखने में मदद करता है। यह फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर और कोलेस्ट्रॉल फ्री होती हैं। खजूर हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाती है और जिस्म की हिफाज़त करती है।
नबी (ﷺ) ने फ़रमाया, "खजूर में शिफा (इलाज) है।" [मुस्लिम]
खजूर में मौजूद अहम तत्व:
प्रोटीन का अच्छा स्रोत
फाइबर, जो दिल की बीमारियों का ख़तरा घटाता है और कब्ज़ से बचाता है
विटामिन B1, B2, B3, B5, A, C, K और D
सेलेनियम, मैग्नीज़, कॉपर और मैग्नीशियम (हड्डियों के लिए फ़ायदेमंद)
पोटैशियम (नर्व सिस्टम के लिए)
फ्लोरिन (दांतों की सड़न से बचाता है)
आयरन (खून की कमी में फ़ायदेमंद)
नेचुरल शुगर
क़ुरआन में खजूर और गर्भावस्था का ज़िक्र
क़ुरआन की सूरह मरयम में भी खजूर का ज़िक्र है, जब मरयम (अलैहि सलाम) को प्रसव पीड़ा हो रही थी।
"तब उसे दर्द उठाने लगा और वो खजूर के पेड़ के नीचे जा बैठी। उसने कहा, 'काश! मैं इससे पहले ही मर जाती और भुला दी जाती।' तभी एक आवाज़ आई, 'घबरा मत! अल्लाह ने तेरे नीचे एक झरना बहा दिया है। खजूर के पेड़ को हिला, तुझ पर ताज़ी खजूरें गिरेंगी। खा, पी और आंखें ठंडी कर।" [क़ुरआन 19:23]। खजूर गर्भावस्था के दौरान दर्द कम करने में मदद करती है और डिलीवरी को आसान बनाती है। फोलेट भ्रूण की रीढ़ की हड्डी के विकास में मदद करता है, मैग्नीशियम मांसपेशियों की ऐंठन को शांत करता है, विटामिन K खून के थक्के जमाने और हड्डियों के लिए अच्छा होता है, और पोटैशियम ब्लड प्रेशर कंट्रोल करता है। एक मेडिकल जर्नल ने भी माना है कि डिलीवरी से पहले खजूर खाना मां और बच्चे दोनों के लिए फ़ायदेमंद है।
रमज़ान में खजूर से रोज़ा खोलना – एक सुन्नत
रमज़ान में खजूर का इस्तेमाल और भी बढ़ जाता है, क्योंकि नबी (ﷺ) ने फ़रमाया:
"जब तुममें से कोई रोज़ा खोले, तो खजूर से खोले क्योंकि उसमें बरकत है, और अगर खजूर न मिले तो पानी से, क्योंकि वह पाक है।" [तिर्मिज़ी] नबी (ﷺ) खुद रमज़ान में खजूर से इफ्तार किया करते थे, और अगर न मिलती तो पानी से रोज़ा खोलते। खजूर फौरन एनर्जी देती है और आसानी से पचती है, जो एक दिन के रोज़े के बाद बहुत ज़रूरी है।
खजूर सिर्फ़ एक फल नहीं, बल्कि एक नेमत है — एक ऐसी सुन्नत जो हमें नबी (ﷺ) से जोड़ती है। इसे खाने में शिफा है, बरकत है, और हमें सेहत के साथ-साथ इमान की ताज़गी भी मिलती है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन राजस्थान में 8256 पदों पर निकली भर्ती; एज लिमिट 40 साल, एग्जाम से सिलेक्शन

राजस्थान में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM) एवं राज्य मेडिकल एजुकेशन सोसाइटी के तहत 8256 पदों पर भर्ती निकली है। उम्मीदवार ऑनलाइन माध्यम से RSSB की ऑफिशियल वेबसाइट rssb.rajasthan.gov.in या SSO पोर्टल sso.rajasthan.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।
आवेदन शुरु :
2 अप्रैल से 1 मई 2025 तक
पोस्ट : 8256 पदों पर
एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
पदानुसार ग्रेजुएशन/ बीकॉम/ बीएससी/ बीटेक/ बीई/ संबंधित क्षेत्र में डिप्लोमा/ 12th/ BAMS/ GNM/ CA/ DML की डिग्री।
एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 40 साल
आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों को नियमानुसार छूट दी जाएगी।
उम्र की गणना 1 जनवरी 2026 को ध्यान में रखकर की जाएगी।
फीस :
सामान्य, ओबीसी (क्रीमीलेयर) : 600 रुपए
राजस्थान राज्य के पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमीलेयर), एससी/ एसटी और सभी वर्ग के दिव्यांग : 400 रुपए
सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन एग्जाम के बेसिस पर
सैलरी :
जारी नहीं
ऐसे करें आवेदन :
rssb.rajasthan.gov.in पर जाएं।
SSO पोर्टल sso.rajasthan.gov.in से लॉग इन करें।
सिटीजन एप्स G2C पर उपलब्ध रिक्रूटमेंट पोर्टल का चयन करें।
फीस जमा करके फॉर्म सब्मिट करें।
इसका प्रिंटआउट निकालकर रखें।

एनएचएम राजस्थान भर्ती 2025: 8256 पदों पर आवेदन शुरू

नेशनल हेल्थ मिशन (NHM) राजस्थान ने 8256 पदों पर भर्ती निकाली है। इनमें CHO, नर्स, DEO, लैब टेक्नीशियन, अकाउंट्स असिस्टेंट जैसे कई पद शामिल हैं। आवेदन 2 अप्रैल से शुरू हो चुके हैं और अंतिम तारीख 1 मई 2025 है।
मुख्य पद:
CHO: 2634
नर्स: 1941
DEO: 177
लैब टेक्नीशियन: 414
अकाउंट्स असिस्टेंट: 272
अन्य पद: हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेटर, सोशल वर्कर, फिजियोथेरेपिस्ट आदि
योग्यता:
12वीं, डिप्लोमा, ग्रेजुएट, B.Tech, GNM, BAMS, DMLT आदि (पद अनुसार)
आयु सीमा:
18 से 40 वर्ष (01-01-2026 तक), आरक्षण अनुसार छूट लागू
फीस:
Gen/OBC: ₹600
OBC (NCL)/SC/ST/PH: ₹400
करेक्शन फीस: ₹300
परीक्षा (संभावित):
2 जून से 13 जून 2025
आवेदन वेबसाइट:
rssb.rajasthan.gov.in
नोट: आवेदन से पहले अधिसूचना ध्यान से पढ़ें।

राजस्थान पुलिस हेड कांस्टेबल भर्ती 2025 - 4224 पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन करें

राजस्थान पुलिस में हेड कांस्टेबल भर्ती 2025 के लिए, विभाग में 4244 पदों की घोषणा की गई है, और विस्तृत श्रेणीवार और जिलेवार रिक्तियों की घोषणा जल्द ही की जाएगी.
रिक्तियों की संख्या:
विभाग में कुल 4244 हेड कांस्टेबल पद हैं.
भर्ती प्रक्रिया:
आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह से ऑनलाइन होगी.
आधिकारिक वेबसाइट:
आवेदन के लिए, कृपया Rajasthan Police की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं.
शैक्षणिक योग्यता:
शैक्षणिक योग्यता के लिए, कृपया Rajasthan Police की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं.
चयन प्रक्रिया:
चयन प्रक्रिया में लिखित परीक्षा, पीईटी, पीएसटी और मेडिकल परीक्षा शामिल हो सकती है.
आवेदन कैसे करें:
आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं: "भर्ती" या "कैरियर" अनुभाग पर जाएँ.
ऑनलाइन आवेदन लिंक पर क्लिक करें.
स्वयं को पंजीकृत करें.
महत्वपूर्ण तिथियाँ:
कृपया Rajasthan Police की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं.
अन्य जानकारी:
अधिक जानकारी के लिए, कृपया Rajasthan Police की आधिकारिक वेबसाइट देखें.

परम्परा के नाम पर मेवाड़ क्यों ढो रहा है गुलामी की निशानी को ?

-डॉ. श्याम सुन्दर बैरवा

हाल ही में दिनांक 27 मार्च 2025 को माण्डल, भीलवाड़ा में रंग तेरस पर नाहर नृत्य का हर साल की तरह आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि उप मुख्यमन्त्री माननीय डॉ. प्रेमचन्द बैरवा और कार्यक्रम के अध्यक्ष स्थानीय विधायक श्री उदयलाल भडाना रहे। माण्डल के नाहर नृत्य के बारे में बताया जाता है कि मेवाड़ में सन्धि करने आए मुगल शहजादा खुर्रम (शाहजहाँ) का काँरवा माण्डल से गुजरा तो माण्डल के तालाब के किनारे महल बना कर कुछ समय यहाँ रहे। शहजादे और बेगमों के मनोरंजन के लिए यहाँ के स्थानीय कलाकारों ने शरीर पर रुई चिपकाकर शेर (नाहर) का स्वांग किया था। इस नृत्य को देखकर शहजादा खुर्रम खुश हुए और इसे जारी रखने के लिए पाराशर वंशजों को शाही पत्र भेंट किया। तब से ही यह नृत्य अनवरत जारी है।

मेरा पूछना यह है कि मुगलों और मेवाड़ में कभी नहीं बनी। महाराणा साँगा से लेकर महाराणा राजसिंह तक लगभग हमेशा ही मेवाड़ और मुगलों में युद्ध चलते ही रहे। पूरी दुनिया में मेवाड़ अपनी आन, बान और शान के लिए जाना जाता रहा है, जहाँ जौहर और शाका हुए हैं। तत्कालीन समय शहजादे को खुश करने के लिए अपनी इच्छा से या जोर-जबरदस्ती से माण्डल के कलाकारों ने नाहर नृत्य किए होंगे।

यह बात तो समझ में आती है। लेकिन शहजादे और उसके लवाज़मे के जाने के बाद ऐसी कौनसी मज़बूरियाँ आ पड़ीं, जिनके चलते नाहर नृत्य बाद में भी जारी रखना पड़ा ? अगर यह मान भी लिया जाये कि बादशाह बनने के बाद शाहजहाँ ने इस पर नजर रखी होगी, तो उसकी मृत्यु के बाद तो यह प्रथा समाप्त हो जानी चाहिए थी? मुगलों के बाद अंग्रेजों की सत्ता आई, देश राजे-रजवाड़ों, नवाबों- बादशाहों, ठाकुरों-जमीन्दारों और अंग्रेजों से आजाद भी हो गया, लेकिन तब भी यह गुलामी की प्रतीक प्रथा चालू क्यों है?

अब न वो नवाब-बादशाह हैं, न राजे-रजवाड़े, न उनके राजपाट, फिर भी माण्डल, जो कि मेवाड़ का ही एक हिस्सा रहा था, आज भी इस प्रथा को ढोए जा रहा है, यह आश्चर्य है !! भाजपा सरकार, जो चुन-चुन कर गुलामी की निशानियों को हटा रही है, शहरों के नाम बदल रही है, सड़कों के नाम बदल रही है, उसका इस कार्यक्रम में शामिल होना भी आश्चर्य है

अकीदत और सादगी के साथ मनाई ईद उल फितर

-ईदगाह में मांगी गई मुल्क में अमन- चैन व खुशहाली की दुआ

शब्बीर हुसैन

बारां, (रॉयल पत्रिका)। रमजानुल मुबारक के एक महीने के रोजे मुकम्मल होने पर मजहब-ए-इस्लाम व मुसलमानो के सबसे पवित्र व बड़े त्योहार ईद उल फितर सोमवार को जिले भर में अकीकत के साथ मनाई गई। वक्फ कमेटी बारां के चेयरमैन इरफान अंसारी, अंजुमन सदर माजिद सलीम व ईदगाह सदर सद्दाम हुसैन अंसारी ने बताया की ईद की नमाज ईदगाह पर सुबह 8:15 पर मोहतमिम अब्दुल कय्यूम साहब ने अदा करवाई। रमजान के एक महीने के रोजे रखने के बाद ईद मनाई जाती है, मुसलमान ईदगाह पर ईद की नमाज अदा करते हैं और अपने गुनाहों की माफी, मुल्क में अमन-चैन व खुशहाली की दुआ मांगते हैं। नमाज से पहले जामा मस्जिद के ईमाम मौलाना वसीम अख्तर ने तकरीर करते हुए लोगों को अल्लाह और उसके रसूल के बताए रास्ते पर चलने, बुरे कामों से बचने, भलाई के काम करने और भाईचारे के साथ रहने की बात कही। नमाज के बाद खुतबा पढ़ा गया। हमेशा की तरह ईदगाह में जगह की कमी के चलते शहर की मस्जिद बारां भाईयान, मस्जिद श्योपुरियांन, तालाब की पाल वाली मक्का मस्जिद सहित अन्य मस्जिदों में भी ईद की नमाज अदा की गई। ईदगाह पर जिला पुलिस अधीक्षक राजकुमार चौधरी, एडीएम दिवांशु शर्मा, ए. एसपी राजेश चौधरी सहित अन्य पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी ईदगाह पर मौजूद रहे।

वहीं वक्फ कमेटी के चेयरमैन इरफान अंसारी, ईदगाह सदर सद्दाम हुसैन अंसारी ओर कमेटी के पदाधिकारियों द्वारा शहर काजी अब्दुल कय्यूम का दस्तारबंदी करके इस्तकबाल किया गया। इस दौरान सरपरस्त अजीज अंसारी, पार्षद हाजी अनवर अली, हाजी जमील अहमद, ईदगाह कमेटी सदस्य शफकत अंसारी, पार्षद मोहम्मद असलम, इफ्तिखार अहमद, जहीर अहमद, इमरान खान, सलामत हुसैन, अरशद अंसारी, कमर खान सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। वहीं दूसरी ओर ईद के मुबारक मौके पर हज कमेटी राजस्थान के पूर्व सदस्य मोहम्मद अशफाक भैयाजी, वरिष्ठ नेता हाजी वहीद बर्तन वाले, पूर्व उपसभापति हाजी अब्दुल गनी, जिला वक्फ कमेटी के पूर्व चेयरमैन साजिद सलीम, जिला कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष जाकिर मंसूरी, अंजुमन इत्तेहाद ए बाहमी के जनरल सेकेट्री आबिद हुसैन अंसारी, हाजी वसीम अहमद, समाजसेवी शेख बहादुर, जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष शाहिद कुंडी, खलील खान गौरी एडवोकेट, फिरोज खान एडवोकेट, डीसीसी उपाध्यक्ष अशरफ देशवाली, एसडीपीआई जिलाध्यक्ष अब्दुल अजीज अज्जु, कोषाध्यक्ष जाकिर रंगरेज, असलम भारती एडवोकेट, रईस हाशमी एडवोकेट, अल्पसंख्यक कांग्रेस के नगर अध्यक्ष शाहिद इकबाल भाटी, दी पब्लिक केरियर ट्रक ओनर्स संस्थान के जनरल सेक्रेटरी मन्नु पठान, पूर्व पार्षद नियाज़ मोहम्मद, पार्षद शरीफ रंगरेज, सलीम भाई शटर वाले, पार्षद जाकिर खान, पार्षद परवेज खान, पूर्व पार्षद अखलाक अंसारी सहित अन्य लोगों ने शहर के मुसलमजनों को ईद की मुबारकबाद पेश की।

अंजुमन इत्तेहाद ए बाहमी ने पुलिस अधीक्षक को दिया ज्ञापन

बारां, (रॉयल पत्रिका)। अंजुमन इत्तेहाद ए बाहमी के जनरल सेक्रेट्री आबिद हुसैन अंसारी ने बताया कि गत दिनों पूर्व में हुई घटना ईद के दिन कुछ मुस्लिम नौजवानो के जरिए से फिलिस्तीन के समर्थन में नारेबाजी व झंडे लहराए गए जिस पर कार्यवाही करते हुए बारां कोतवाली पुलिस ने कुछ मुस्लिम युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया हैं। मुस्लिम युवको की ओर से लगाए गए नारों में किसी भी धर्म, सम्प्रदाय, सरकार के खिलाफ़ नारेबाजी नही की गईं जिससे किसी की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हो, जबकि 1 अप्रैल 2025 को सर्व हिन्द समाज बारां 'की ओर से निकाले गए विरोध प्रदर्शन में एक विशेष सम्प्रदाय (मुस्लिम समाज) को टारगेट कर उनकी संस्थाओ व शहर काजी तक को निशाना बनाया गया और अनर्गल बयानबाजी करके मुस्लिम समुदाय की भावनाओ को अत्यधिक आहत किया गया जिस पर पुलिस प्रशासन द्वारा अभी तक कोई भी संज्ञान में लेकर कार्रवाही नही की गई है।जिसके फलस्वरूप मुस्लिम समुदाय मे भारी रोष 'व्याप्त हैं। ज्ञापन के माध्यम से पुलिस अधीक्षक से निवेदन किया गया कि उपयुक्त दोनों घटनाओ की निष्पक्ष जाँच करवाकर उचित कार्यवाही क़ी जावे। इस दौरान ज्ञापन देने वालो में आबिद हुसैन अंसारी, हाजी वसीम अहमद, अशरफ देशवाली, सईद अंसारी, इरफान अंसारी, नासिर मिर्ज़ा, अब्दुल मतीन, सद्दाम हुसैन अंसारी, मुजाहिद खान, जियाउर्रहमान आदि मौजूद रहे।

अंजुमन इत्तेहाद ए बाहमी के सदर एहतिशाम उद्दीन सिद्दीकी सुपुर्द ए खाक

-हजारों लोगों ने जनाजे में शामिल होकर दी नम आंखों से विदाई

बारां, (रॉयल पत्रिका)। रिटायर्ड सीआई ओर अंजुमन इत्तेहाद ए बाहमी के सदर एहतिशाम उद्दीन सिद्दीकी का शुक्रवार 4 अप्रैल को शहर के निजी अस्पताल में इंतकाल हो गया। उन्हें बाद नमाज जुमा कब्रिस्तान क्लाडिया में सुपुर्द ए खाक किया गया। एहतिशाम उद्दीन सिद्दीकी ने सीआई पद से सेवानिवृत्त होने के पश्चात सामाजिक कार्य ओर कॉम की भलाई के काम में अपना जीवन समर्पित किया। वो सेवानिवृत्त पुलिस कल्याण संगठन, मिल्लत चेरिटेबल ट्रस्ट कोटा (MCT), मदरसा अंजुमन इस्लामियां बारां के मेंबर, सहित विभिन्न संस्थाओं से जुड़े हुए थे। उनके निधन पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य डॉ मजीद मलिक कमांडो, राजस्थान स्टेट हज कमेटी के सदस्य हाजी मोहम्मद अशफाक, पूर्व सदस्य मोहम्मद अशफाक (भईयाजी), अंजुमन सदर माजिद सलीम, पूर्व उपसभापति हाजी अब्दुल गनी, वक्फ कमेटी चेयरमैन इरफान अंसारी, पूर्व वक्फ कमेटी चेयरमैन साजिद सलीम, जाकिर मंसूरी, हाजी लियाकत अली मेव, अल्पसंख्यक कांग्रेस जिलाध्यक्ष शाहिद कुंडी, एसडीपीआई जिलाध्यक्ष अब्दुल अजीज अज्जू, अशरफ देशवाली, नासिर मिर्जा, आबिद हुसैन अंसारी, हाजी वसीम अहमद सहित कई गणमान्य लोगों ने दुःख जाहिर कर खिराजे अकीदत पेश की।

रामगंजमण्डी पुलिस की अवैध शराब तस्करी के विरुद्ध बडी कार्यवाही

सुकेत, (रॉयल पत्रिका)। रामगंजमण्डी सर्किल पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के विरूद्ध बडी कार्यवाही करते हुए 20 लाख कीमत की अवैध शराब एवं तस्करी में प्रयुक्त ट्रक जप्त करने के साथ एक मुल्जिम गिरफ्तार को गिरफ्तार करने में सफलता अर्जित की है। उक्त जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक कोटा ग्रामीण सुजीत शंकर ने बताया कि जिला कोटा ग्रामीण पुलिस ने थाना मोडक क्षेत्र में अवैध शराब परिवहन करते हुये एक टाटा ट्रक नम्बर जी जे 27-टी-1256 को जप्त कर मुल्जिम रमेश कुमार पुत्र भूरा राम जाति जाट उम्र 28 साल निवासी नरसाली नाडी पुलिस थाना बायतु जिला बाडमेर हाल जिला बालोतरा को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। उक्त कार्यवाही में अवैध शराब एवं बीयर की 241 पेटियां को जप्त की गयी है। वृताधिकारी घनश्याम मीणा ने मय जाप्ता रात्रि को सम्पूर्ण कार्रवाई को नेशनल हाईवे के पास पड़ाव पर अंजाम दिया। पुलिस अधीक्षक कोटा ग्रामीण ने बताया कि अति. पुलिस अधीक्षक रामकल्याण मीणा के सुपरविजन एवं पुलिस उप अधीक्षक रामगंजमण्डी घनश्याम मीणा के निर्देशन में जिला कोटा ग्रामीण में अवैध शराब, मादक पदार्थ व अवैध कारोबार के विरूद्ध अभियान चलाया जा रहा था। जिसके तहत उत्तम सिंह उनि थानाधिकारी थाना मोडक के नेतृत्व मे पुलिस टीम द्वारा दिनांक 04.04.2025 को एनएच-52 कोटा झालावाड रोड पर सहरावदा प्रतिक्षालय के पास नाकाबंदी की जा रही थी, दौराने नाकाबन्दी अवैध अंग्रेजी शराब व बीयर से भरे हुये ट्रक के साथ आरोपी रमेश कुमार पुत्र भूरा राम जाति जाट, उम्र 28 साल, निवासी नरसाली नाडी पुलिस थाना बायतु, जिला बाडमेर हाल जिला बालोतरा को गिरफ्तार किया।

इंजीनियर इंसाफ अली आज़ाद कांग्रेस की राष्ट्रीय बैठक में भाग लेने अहमदाबाद पहुंचे

कोटा, (रॉयल पत्रिका)। इंजीनियर इंसाफ अली आज़ाद एडवोकेट 4 दिवसीय गुजरात दौरे पर हैं। वे अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) अल्पसंख्यक विभाग की राष्ट्रीय बैठक में हिस्सा लेने के लिए 6 अप्रैल की रात को कोटा से रवाना हुए और 7 अप्रैल को दोपहर 12 बजे अहमदाबाद पहुंचे। यह बैठक 8 और 9 अप्रैल 2025 को अहमदाबाद, गुजरात में आयोजित की जा रही है, जिसमें एआईसीसी अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी की विशेष उपस्थिति रहेगी। बैठक में विभिन्न राज्यों से आए वरिष्ठ कांग्रेस नेता, अल्पसंख्यक विभाग के पदाधिकारी और पार्टी कार्यकर्ता भाग लेंगे। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इंजीनियर इंसाफ अली आज़ाद एडवोकेट, सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता एवं राष्ट्रीय समन्वयक तथा गुजरात प्रभारी, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के रूप में इस महत्वपूर्ण बैठक में हिस्सा ले रहे हैं। बैठक में संगठन को और अधिक सशक्त बनाने, अल्पसंख्यक समुदाय के अधिकारों की रक्षा, सामाजिक-आर्थिक मुद्दों को मजबूती से उठाने, आगामी चुनावों के लिए रणनीति तैयार करने तथा पार्टी के जनहितकारी एजेंडे को आगे बढ़ाने पर विचार किया जाएगा।इंजीनियर इंसाफ अली आज़ाद एडवोकेट ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से अल्पसंख्यक समुदाय के अधिकारों और उनके सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध रही है। यह बैठक देशभर के पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ संवाद स्थापित कर आगामी कार्ययोजना तय करने की दिशा में एक अहम कदम साबित होगी।

आगामी गर्मी के मौसम में बारां-झालावाड़ में पेयजल वितरण के लिए करें प्रभावी कार्यवाही: जलदाय मंत्री

शब्बीर हुसैन

बारां, (रॉयल पत्रिका)। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भू जल विभाग मंत्री कन्हैयालाल ने गुरुवार को बारां के कलेक्ट्रेट सभागार में बारां एवं झालावाड़ जिले में पेयजल की वर्तमान स्थिति और आने वाले समय में संभावित स्थिति की जानकारी ली एवं अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के सम्बन्ध में दिशा निर्देश दिये। उन्होंने पेयजल प्रबंधन के लिए गंभीरता से कार्य करने तथा पेयजल आपूर्ति में किसी प्रकार की समस्या न आए ये सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। जलदाय मंत्री ने बैठक में आमजन द्वारा प्रस्तुत पेयजल सम्बन्धित समस्याओं का त्वरित एवं नियमानुसार निस्तारण करने तथा पेयजल प्रबंधन और वितरण तंत्र को मजबूत करने की बात कही। उन्होंने क्षेत्रवार पेयजल प्रबंधन की जानकारी ली तथा पेयजल स्त्रोतों व विकल्पों के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि आमजन को स्वच्छ एवं नियमित पेयजल उपलब्ध करवाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को सरकार की मंशानुरूप कार्य करने तथा जल जीवन मिशन का कार्य समय पर पूर्ण करने व गुणवत्ताहीन कार्य करने वाले ठेकेदारों पर आवश्यक कार्रवाई करने की बात कही। उन्होंने इस दौरान जल जीवन मिशन के साथ सोनावा, शायगढ़, नागदा-अंता-बलदेवपुरा, अटरु-शेरगढ़ पेयजल परियोजनाओं के साथ अन्य विभिन्न विकास कार्यों और परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की व आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

जलदाय मंत्री ने हैंडपंप, बावडी एवं कुओं का मरम्मत व मेंटेनेंस के बारे में चर्चा करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति में कोई बाधा न आए इसके लिए नियमित मॉनिटरिंग करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने राज्य की बजट घोषणाओं से संबंधित कार्यों की क्रियान्विति समयबद्ध रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में मौजूद विधायक राधेश्याम बैरवा, विधायक ललित मीणा, विधायक कंवरलाल मीणा के साथ झालावाड़ डग विधायक कालूलाल मेघवाल ने भी क्षेत्रवार पेयजल आपूर्ति की समस्या एवं प्रोजेक्ट्स संबंधित कार्यों के सफल क्रियान्वयन में आने वाली समस्याओं के बारे में अवगत कराया जिस पर पीएचईडी मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित निस्तारण की बात कही तथा जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय कर सभी कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग व पूर्ण कार्यों का संयुक्त भौतिक सत्यापन करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर सहित सभी संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

विकसंत सागर जी महाराज ने कुदायला में अस्पताल की शुरुआत की

डॉ० तौहीद

सुकेत, (रॉयल पत्रिका)। क्षेत्र के कुदायला में विकसंत सागर महाराज संघ ने कोटा स्टोन स्माल स्केल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन कि ओर संचालित अस्पताल की शुरुआत की। कोटा स्टोन एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रहलाद बैंसला ने बताया कि एसोसिएशन की ओर से कुदायला में जरूरतमंदों और श्रमिकों के लिए अस्पताल संचालित किया जाता था, जो पिछले 3 वर्षों से बंद था। ऐसे में स्नेह मिलन समारोह के दौरान शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर से अस्पताल को फिर से शुरू करवाने की मांग की थी। जिस पर उनकी ओर से अधिकारियों को निर्देश दिए गए थे। इसके बाद अस्पताल विकसंत सागर महाराज संघ ने फिर से अस्पताल की शुरुआत की। ऐसे में अब यहां घायलों व रोगियों को परामर्श के साथ निशुल्क दवाइयां भी दिलवाई जाएगी। विकसंत सागर महाराज समेत 14 संत रामगंजमंडी की ओर विहार कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कोटा स्टोन एसोसिएशन भवन में रात्रि विश्राम किया था। इस दौरान एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष जगदीश सिंह शक्तावत, कोषाध्यक्ष लोकेश खंडेलवाल समेत अन्य ने आगवानी की। इस दौरान विकसंत सागर महाराज ने एसोसिएशन महावीर सिप विकलांग भासेवा समिति की ओर से दिव्यांगों के लिए किए जा रहे कार्य को देखते हुए कहा कि मानव सेवा में बेहतर कार्य किया जा रहा है। इससे जरूरतमंदों को राहत मिल रही है। इस दौरान संरक्षक हुकुम बना पूर्व अध्यक्ष जगदीशसिंह शक्तावत, लोकेश खडेलवाल, कमल जैन, मौजूद रहे। इस दौरान बैंसला दिलीप जैन समेत अन्य ने बताया कि अब कोटा स्टोन स्मॉल स्केल इंडस्ट्रीज एंबुलेंस लाई जाएगी। जो दिन एसोसिएशन की ओर से यहां में इंडस्ट्रीयल एरिया व रात को शहर में सुविधा देगी।

बैठक में उर्स की रूपरेखा पर हुआ विचार-विमर्श

मांगरोल, (रॉयल पत्रिका)। ग्राम पंचायत दुर्जनपुरा के ग्राम बाडोली में स्थित हजरत लाल शाह वली की दरगाह परिसर में सदर इमाम खान की सदारत में बैठक आयोजित की गई। जिसमें 28 वां उर्स को लेकर विचार विमर्श किया गया। उर्स कमेटी के प्रेस प्रवक्ता मोहम्मद इलियास मांगरोल वाले ने बताया कि उर्स की आगामी रूपरेखा व तैयारियों को लेकर शुक्रवार को उर्स कमेटी की बैठक मदरसा मदारिया मांगरोल में आयोजित हुई। बैठक में 7, 8 व 9 मई को आयोजित होने वाले उर्स की रूपरेखा पर विचार-विमर्श किया गया। 7 मई को मिलाद शरीफ, 8 मई को गुस्ल, कुरआन ख्वानी, चादर पेशी व बाद नमाज ईशा कव्वाली का प्रोग्राम 9 मई 2025 को देग तकसीम के बाद उर्स का समापन होगा। बैठक में उर्स कमेटी सदर इमाम खान, नायब सदर मुस्तकीम भाई, सेक्रेट्री मास्टर मंसूर अली, नायब सेक्रेट्री अबरार अहमद ड्राईवर, खजांची युसूफ भाई, पूर्व सदर अब्दुल गफ्फार, असलम बाबा, जुल्फिकार , सलीम अख्तर, शकील अहमद, आमीन भाई, अल्ताफ भाई, महफूज भाई, मोहम्मद हुसैन, मंसूर अली सहित कई लोग मौजूद थे।

मौलाना आजाद मानव सेवा संस्थान द्वारा 29 वां होली स्नेह मिलन एवं ईद मिलन जलसा आयोजित

शब्बीर हुसैन

बांरा, (रॉयल पत्रिका)। मौलाना आजाद मानव सेवा संस्थान के तत्वावधान में 29वां होली स्नेह मिलन समारोह एवं ईद मिलन जलसा का आयोजन रविवार 6 अप्रैल को शहर के निजी रेस्टोरेंट मे सम्पन्न हुआ। प्रोग्राम कन्वीनर कन्हैया लाल चित्तौडा व शैलेन्द्र गोयल ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि नगर परिषद के पूर्व चेयरमैन कैलाश शर्मा, नगर पालिका अन्ता के चेयरमेन रामेश्वर खण्डेलवाल, मदरसा अंजुमन कमेटी के सदर माजिद सलीम, अंतरराष्ट्रीय हिंदू महासभा के जिलाध्यक्ष सत्यनारायण गर्ग, पूर्व जिला प्रमुख भरत मारन, वक्फ कमेटी चेयरमैन इरफान अंसारी, राजस्थान अधिकारी कर्मचारी माइनॉरिटी एसोसिएशन (राकमा) के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉक्टर अशफाक खान एन टी पी सी, अभिभाषक परिषद के अध्यक्ष कमलेश दूबे एडवोकेट, जिला हज कमेटी के चेयरमेन हाजी लियाकत अली मेव, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जाकिर मंसूरी, महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष बृजेश वर्मा, भाजपा जिला महामंत्री ब्रह्मानन्द शर्मा, जिला कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के जिलाध्यक्ष शाहिद कूंडी, भगवती टेहल्यानी रहे। सभी अतिथियों का संस्थान अध्यक्ष शेख बहादुर अली, प्रहलाद गालव, ललित गुर्जर पार्षद, नफीसा अली बोहरा, भंवरलाल पोरवाल, धीरज हल्दिया, फरीदा शेख, आरजू लईक अंसारी, अब्दुल वहीद मुन्ना मास्टर ने फूल माला से स्वागत किया। समारोह की शुरुआत हिंदू मुस्लिम एकता की परम्परा को निभाते हुए सरस्वती पूजा के साथ तिलावत ए कुरआन के आगाज के साथ की गई।

समारोह में अतिथियों के साथ प्रोफेसर डॉ शमशाद अहमद, प्रोफेसर मेवा राम, अंग्रेजी लेक्चरर रुस्तम अली खान, मास्टर कैसरी लाल सोन, मास्टर अनवर खान, जूडो कराटे स्पेशलिस्ट पुलिस कांस्टेबल तनवीर खान, रोटरी क्लब के पूर्व अध्यक्ष राकेश सेठी, भाजपा की श्वेता अदलक्खा, एन.जी.ओ की संस्थापिका आस्था, हाडौती ब्लड डोनर सोसायटी के महबूब अली खान, मशहूर शायर रईस फैजी व अन्य महमानों ने कहा कि ऐसे आयोजन से हिंदू - मुस्लिम समुदाय में कौमी एकता भाईचारे की भावना मजबूत होती हैं। होली ओर ईद मिलन समारोह एक साथ मना कर सबको एक मंच पर बिठाकर एकता का संदेश दिया है वो सराहनीय कदम है समारोह में असगर अली बोहरा, प्रमोद पांडे आर. टी. ओ, कपिल पोरवाल, अंशुल व्यास, अंजू पंकज, शाहिद इकबाल भाटी, लईक अहमद अंसारी, अब्दुल कय्युम, अमीनुद्दीन एडवोकेट, हेमलता सोन, अनीता सेठी, शरीफ रंगरेज पार्षद, परवेज खान पार्षद, ललित गुर्जर पार्षद, पूर्व पार्षद नियाज मोहम्मद, अशफाक मयूर, इकबाल नेता, रईस हाशमी एडवोकेट, जाकिर खिलजी, महीला परामर्श केन्द्र की शैर बानो एडवोकेट, राजकुमार खींची, रामचन्द्र झाम्ब, डॉक्टर सिद्दीक अंसारी, रईस खान, मोहम्मद सोहराब, अल्फिया खान, सायरा कुरैशी मोजूद रहे। संचालन शेख बहादुर अली, कन्हैया चित्तौडा, जाकिर मंसूरी और हाजी लियाकत अली मेव ने किया। धन्यवाद नफीसा अली बोहरा ने किया।

सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए तीन स्पीड ब्रेकर लगाए गए

-अब आम नागरिकों को मिलेगी राहत

फिरोज खांन वारसी-

झालावाड़, (रॉयल पत्रिका)। शहर के झिरी मोहल्ला वार्ड नंबर 9 में भारतीय समाज सेवा संस्था के राजस्थान प्रदेश उपाध्यक्ष एवं दिव्यांग नेता फिरोज खान वारसी के प्रयासों से तीन स्पीड ब्रेकर लगावा कर वार्ड में होने वाली दुर्घटनाओं से बच्चों व बुजुर्गों को बढ़ी राहत प्रदान की है। अब आम नागरिकों,को सड़क पार करने मे सुविधा होगी। इस संबंध में स्थानीय निवासी दिव्यांग नेता फिरोज खान वारसी ने बताया की वार्ड की समस्याओं के निस्तारण को लेकर सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता हुकुमचंद मीना से मुलाकात की थी उसके बाद मीणा ने तुरंत प्रभाव से कार्रवाई करते हुए ठेकेदार को वार्ड में स्पीड ब्रेकर लगाने के निर्देश दिए थे। इसके बाद जनता को राहत प्रदान करते हुए 3 स्पीड ब्रेकर वार्ड में लगाए गए। वार्ड वासियों की समस्याओं को देखते हुए फिरोज खांन ने एक अप्रैल 2025 को कहा कि वार्ड नम्बर 09 का मैं निवासी हूं यह मैरे स्वयं का वार्ड है मैं इसमें रहने वालों को परेशान नहीं रहने दूंगा। इसलिए मै आगे भी वार्ड की जन समस्याओं को लेकर कार्य करता रहूगा।

भारतीय समाज सेवा संस्था के दौसा जिला अध्यक्ष पद पर अवधेश कुमार अवस्थी को मनोनीत किया

फिरोज खांन वारसी

झालावाड़/दौसा, (रॉयल पत्रिका)। भारतीय समाज सेवा संस्था के राजस्थान प्रदेश उपाध्यक्ष फिरोज खान वारसी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल यादव के निर्देशानुसार आदेश जारी कर राजस्थान के दौसा जिले के जिला अध्यक्ष पद पर अवधेश कुमार अवस्थी को मनोनीत किया। अवधेश कुमार अवस्थी की नियुक्ति से दौसा जिले में भारतीय समाज सेवा संस्था के उद्देश्यों को गति मिलेगी, जिससे दौसा जिले में गरीबों, बेरोजगारों, बेसहारों, महीलाओं, मजदूरों एंव दिव्यांग सहित संघर्षशील लोगों की भारतीय समाज सेवा संस्था के माध्यम से आवाज़ बुलंद की जाएगी ओर उनकी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। इस दौरान अवधेश कुमार अवस्थी ने संस्था की रीतिनीति के अनुसार कार्य करने का विश्वास जताया साथ ही भारतीय समाज सेवा संस्था के पदाधिकारीयो का आभार व्यक्त किया

कांग्रेस का जिला इकाई को मजबूत कर ज्यादा शक्ति देने पर जोर

नई दिल्ली/पाली, (रॉयल पत्रिका)। कांग्रेस पार्टी के जिलाअध्यक्षों के दूसरे चरण की गुरुवार को नई दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन में आयोजित बैठक में पाली जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अज़ीज़ दर्द ने भाग लिया। जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा महासचिव केसी वेणुगोपाल सहित कई प्रमुख नेता शामिल हुए। अध्यक्ष अज़ीज़ दर्द ने बताया कि आज दूसरे चरण की बैठक हुई है, उन्होंने कहा कि आज की बैठक में सात राज्यों महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली, राजस्थान, पंजाब और चंडीगढ़ के जिला अध्यक्षों ने हिस्सा लिया जिसमें जिला अध्यक्षों तथा प्रभारी महासचिवों ने भी भाग लिया। बैठक में राज्यों के प्रतिनिधियों को बोलने का मौका दिया गया। उन्होंने बताया कि इस बैठक में छह प्रस्तुतियां हुई जिसमें मीडिया विभाग के साथ ही जिला स्तर पर पार्टी की संपत्तियों के रखरखाव से संबंधित जानकारी दी गई। संगठन, मीडिया और सोशल मीडिया पर भी इस दौरान प्रस्तुतियां दी गई। बैठक में हर राज्यों के एक या दो प्रतिनिधियों को अपनी बात कहने का अवसर दिया गया। इस तरह का आयोजन पहली बार हुआ है। जिलाध्यक्ष अज़ीज़ दर्द ने कहा कि कांग्रेस को जिला स्तर पर प्रभावी बनाया जा रहा है और देश के हर जिले में संगठन को कैसे मजबूत करना है, इस बारे में बातचीत इस बैठक में हुई। कांग्रेस जिला इकाइयों को महत्वपूर्ण बना रही है और उनकी ताकत बढ़ा रही है।

दरगाह पीर की जाल मेले में उमड़ रहे हजारों जायरीन, दरगाह जियारत कर मांगी दुआएं

-कव्वालों ने देर रात्रि तक बांधे रखा सम्मा, बच्चों ने मेले का लिया आनंद

सांचौर, (रॉयल पत्रिका)। उपखण्ड मुख्यालय से मात्र 7 किलो मीटर की दूरी पर स्थित अल मशहूर दरगाह हजरत मख्दुम पीर डाडा अब्बनशाह रे.अ. के सालाना उर्स मुबारक में दूर-दूर से हजारों की संख्या में जायरीनों का हूजुम उमड़ रहा है। दरगाह हजरत मख्दुम पीर डाडा अब्बनशाह रे.अ. के चाहने वालों की भीड़ हर रोज बड़ रही है। दरगाह ईन्तजामिया वक्फ कमेटी के सचिव ने बताया कि दरगाह शरीफ को दुल्हन की तरह सजाया गया है, दरगाह के चारों और रंग बिरंगी रोशनी से डेकोरेशन कर संवारा गया। दरगाह शरीफ के सालाना उर्स मुबारक में दरगाह ईन्तजामिया वक्फ कमेटी की ओर से दोनों टाइम लंगर (मुफ्त) खाने की व्यवस्था की गई है। उर्स मुबारक में हर रोज रात्रि में उलमाए किराम के नुरानी बयानात का प्रोग्राम होता है बाद में गुजरात व राजस्थान के मशहूर कव्वालों द्वारा कव्वाली का प्रोग्राम होता है। बताया कि दरगाह शरीफ के सालाना उर्स मुबारक में संदल की रस्म के दौरान हजारों की संख्या में जायरीन दरगाह पर पहुंचें। उर्स मुबारक में बच्चों के लिए झूला, मौत का कुआ, ब्रेक डाउसर, मिक्की माउस, डब्बल इंजन रेल, सर्कस, जादूगर, खिलौना, मनीहारी, मिठाईयां सहीत कई प्रकार की दुकाने लगी है। उर्स मुबारक में हजारों की संख्या में पहुंच रहे जायरीनो से दरगाह सचिव ने उर्स (मैले) आने वालो से शान्ति बनाए रखने की अपील की है। सरवरी युवा संगठन के अध्यक्ष गगुशाह द्वारा मेले में व्यवस्था बनाने के लिए टीम के सदस्यों ने वॉलंटियर के रूप में लाखों की भीड़ में मेले में शांति बनाए रखने के लिए टीम के साथ सराहनीय कार्य किया। मेले में हर धर्म के लोग दरगाह जियारत के लिए आ रहे है दरगाह आस्ताना पर नही है कोई भेद-भाव दरगाह कौमी एकता की प्रतिक एक मात्र स्थान दरगाह पीर की जाल सात रोज चलने वाला उर्स हजारों श्रद्वालु मेले मन्नते लेकर पहुंच रहे है।

इंटेलेक्चुअल मुस्लिम्स सोसाइटी के प्रतिनिधिमंडल की शिष्टाचार भेंट

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय चूरू पर "इंटेलेक्चुअल मुस्लिम सोसाइटी, चूरू" के जनरल सेक्रेटरी डॉ. एफ.एच. गौरी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर और जिला पुलिस अधीक्षक से शिष्टाचार भेंट की। इस मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने कौम से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत किया और उन पर सकारात्मक चर्चा की। प्रशासनिक अधिकारियों ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुना और समस्याओं के समाधान के लिए सकारात्मक आश्वासन दिया। बैठक में सामाजिक समरसता, युवाओं की शिक्षा, रोजगार, और स्वास्थ्य सुविधाओं जैसे विषयों पर विशेष रूप से ध्यान आकर्षित किया गया। प्रतिनिधिमंडल में सोसाइटी के अध्यक्ष शौकत अली खान झरिया (सेवानिवृत्त अतिरिक्त आयुक्त), वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहम्मद अयूब खान (सेवानिवृत्त अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक), कोषाध्यक्ष मोहम्मद आरिफ खान (प्राचार्य), वरिष्ठ संयुक्त सचिव डॉ. क़ादिर हुसैन (चिकित्सा अधिकारी - यूनानी) और समीर खान मुन्याण शामिल रहे। सभी सदस्यों ने प्रशासन के सहयोगात्मक रवैये की सराहना करते हुए आशा जताई कि आगे भी इस प्रकार की संवादात्मक बैठकों से समाज के समग्र विकास में गति मिलेगी।

के. के. इंटीरियर्स का भव्य शुभारंभ, व्यवसाय में पारदर्शिता अति आवश्यक : डॉ. ममताज अली कुरैशी

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय स्थित केशव पथ नानी बाई मडदा स्कूल के पास के. के. इंटीरियर्स का भव्य शुभारंभ डॉ. मुमताज अली कुरैशी द्वारा किया गया। डॉ. कुरैशी ने कहा कि व्यवसाय में पारदर्शिता बहुत ही जरूरी है और स्वयं के कारोबार का मुकाबला नहीं है। प्रोपराइटर साजिद खान ने कहा कि मकान व बिल्डिंग में सीलन को देखते हुए प्लास्टिक मटेरियल सबसे बेहतरीन रहता है, इसलिए हमने यह इंटीरियर्स का काम किया है। जिससे मकानों व बिल्डिंगों की सीलन के साथ- साथ मकान के डेकोरेशन के लिए भी यह सुंदर रहता है और डेकोरेशन के लिए सस्ता रहता है। इस अवसर पर हाजी जोरे खां रिटायर्ड थानेदार, हाजी लाल खां, आजम अली खां वक्फ बोर्ड जिला अध्यक्ष, इस्माइल खान, मुस्ताक खान प्रदेश सचिव राज. कांग्रेस कमेटी, डॉ. अमजद खान, अनवर खान, सिकंदर खान, सलीम खान, शमशेर खान भालू, जाकिर के के, आबिद खान, इमरान खान आदि मौजूद रहे। हाफिज अब्बास ने कुरान ए पाक की आयत पढ़कर कारोबार में खैरो- बरकत ओर कामयाबी की दुआएं की, साजिद खान व नानू खां ने सभी का आभार व्यक्त किया।

सांचौर में सिंघम की एन्टरी, मची खलबली

-नशा मुक्ति के खिलाफ कांबले शरण गोपीनाथ की पहल से सांचौर के भाग्य खुले

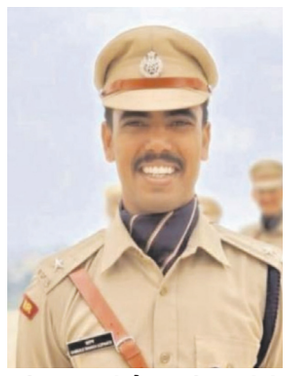

सांचौर, (रॉयल पत्रिका)। जब से सांचौर में कांबले शरण गोपीनाथ पुलिस अधिकारी बन कर आये है तब से नशे की कारोबार की कमर टूट रही है। अधिकतर तस्कर मौन हो चुके है कुछ भुमिगत और कुछ जेल जा चुके है। सांचौर में नशे को लेकर आम लोगों के मुंह में आह तक आने लगी थी युवाओं का भविष्य खतरें में जा चुका था। स्मैक एम डी एवं अफीम डोडा की पहुंच इन तस्करों ने घर घर तक कर दी थी लेकिन अचानक सांचौर के भाग्य खुल गए और फिल्मी स्टाइल में सिंघम की सांचौर में एन्टरी कांबले शरण गोपीनाथ के रूप में हुई यहां आने के बाद नशेड़ियों के हौसले पस्त है। अब नशे के कारोबारीयों को खौफ पैदा हो गया। पुलिस महकमे के प्रति आम आदमी का भरोसा जाग गया है। सांचौर सहीत आस-पास क्षेत्र में यह प्रचार किया जा रहा है कि नशीले पदार्थों में लिप्त व्यक्तियों की सूचना देने पर तुरन्त प्रभाव से कार्यवाही की जायेगी। इस के बाद से शहर में खलबली मची हुई है अब पुलिस अधिकारी कांबले शरण गोपीनाथ ने सामाजिक समारोहों में मनुहार पर प्रतिबंध लगा दिया है और समाजिक समारोह का अचानक दौरा करके छापामारी कर रहे है। जिससे शादी वाले प्रतिका में जाहीर सूचना कांबले जी को दे रहे है सांचौर शहर में पहली बार कोई पुलिस का ऐसा अधिकारी हमारे बीच में जो जनता की, युवाओं की भावी पीढ़ी की सोच रखते हुए बेहतर जीवन के लिए ईमानदारी से दिन रात मेहनत कर पा रहा है। कांबले सर युवा पीढ़ी के लिए एक फरीश्ता बनकर जमीं पर उतर आए। सांचौर की जागृत जनता के मुंह पर एक ही नाम कांबले सर आप को सलाम नशा के कारोबार के साथ-साथ चोरी की वारदातों में भी कमी आई, साथ ही बाजार में आए दिन ट्रैफिक जाम की समस्या होती रहती थी। बाजार में व्यापारीयों की उम्मीदें जगी ऐसा अधिकारी आया की बाजार में अतिक्रमण कम हो गया। सांचौर शहर में नशे को लेकर जो पुलिस अधिकारी कांबले शरण गोपीनाथ ने पहल की वास्तव में यह धर्मशास्त्रों में कहा गया है कि जब जब धरती पर पाप बढ़ता है तब ईश्वर अवतार लेते है और मेरे ख्याल से सांचौर में नशा अति चर्म पर चढ़ने लगा तब पुलिस अधिकारी कांबले जी सर का सांचौर की धरती को चुना है। लोग असामाजिक कामों से दूरीया बना रहे है। शादी समारोहों में अफीम डोडा की मनुहार गायब है। हर पल पुलिस का भय रहता है। कुछ मुखबिर सादे कपड़ो में जगह जगह मौजूद है इस तरह के समाचार आम जन को सुनने को मिल रहे है। जो भी हो रहा है उस सुधार प्रकिया में हर व्यक्ति का फायदा होगा। अफराध घटेगा, युवा पीढी नशे के दलदल से बाहार आयेगी। लोग कहने लगे कांबले जी को सांचौर की धरती को नशेड़ियों से मुक्त करने के लिए यहा पर रखना अति आवश्यक है तभी पूर्ण रूप से क्षेत्र में हर अवैध गतिविधि रूक पायेगी। आम जन से अपील है कि जन हित में काले कारोबार को रोकने के लिए कांबले शरण गोपीनाथ जैसे पुलिस अधिकारी का साथ दीजिए।

इंसानियत एकता सेवा समिति की बैठक सम्पन्न

मोहम्मद अली पठान

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर भाईजी चौक स्थित राणाजी के नोहरे में इंसानियत एकता सेवा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एडवोकेट इब्राहीम गौरी ने की। बैठक में अगले सप्ताह से समिति द्वारा परिंडा लगाओ, पक्षी बचाओ अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर समिति संस्थापक करामत खान ने बताया कि तीन दिन तक परिंडा लगाओ, पक्षी बचाओ अभियान चलाकर समिति के पदाधिकारियों द्वारा जिले भर में परिंडे लगाकर पक्षियों के लिए दाने-पानी की नियमित तौर पर व्यवस्था की जाएगी। बैठक में समिति उपाध्यक्ष महमूद अली राणा, व्यवस्थापक जाफर खान, अयूब खान, जाकिर खान के के, बिलाल खान,महबुब खा नशवान, अरशद खान, यूनुस अली भाटी, सुलेमान मनिहार, सोयल खान आदि मौजूद रहे। बैठक का संचालन मीडिया प्रभारी मोहम्मद अली पठान ने किया। महम्मुद अली राणा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

जोईया इंटरप्राइजेज का भव्य शुभारंभ

-खुद के कारोबार में बरकत और कामयाबी: शहर काजी

मोहम्मद अली पठान

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थित जोईया कापलेक्स पंखा सर्किल के पास हाजी नवाब अली खान जोईया ने जोईया इंटरप्राइजेज का फीता काटकर शुभारंभ किया। शहर काजी मौलाना अहमद अली शाह व हाफिज अब्बास साहब ने खैरो बरकत व कामयाबी की दुआएं की फर्म के मालिक इमरान खान ने बताया कि हमारे यहां यूपीवीसी डोर एंड विंडो फैब्रिकेटेड ऑल किंड यूपीवीसी वर्क किया जाता है जो इंटीरियर डेकोरेशन के लिए जरूरी है। इस अवसर पर रियाजत खान, रमजान खान, जंगशेर खान, शेर मोहम्मद खान, सिराज खान जोईया, आसिफ खान, इरफान खान, आमीन खान, विनोद, महमूद खान, मुख्तार खां, रशिद खान मोयल,शरीफ खान,विनोद, इसाक खान, सत्तार खान, नदीम आदि मौजूद रहे। इमरान खान, सिकंदर खान, मुजाहिद खान ने सभी का आभार व्यक्त किया।

धर्मपुरा वाले बाबा का उर्स 10 अप्रैल को मनाया जाएगा

मोहम्मद यासीन

पाली, (रॉयल पत्रिका)। केरिया दरवाजा घोसी कॉलोनी में स्थित दरगाह धर्मपुरा वाले बाबा का उर्स 10 अप्रैल को मनाया जाएगा। दरगाह के सदर घोसी रोशन अली ने बताया कि इस मौके पर नात खवानी, तकरीर व कव्वाली का प्रोग्राम रखा गया है। कमेटी ने उर्स की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं।

सुनेल पुलिस थाना की अवैध मादक पदार्थ के विरुद्ध बड़ी कार्यवाही

-81 किलो 880 ग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम निर्मित डोडा चूरा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार करने में मिली सफलता

फिरोज खांन वारसी

झालावाड़, (रॉयल पत्रिका)। पुलिस अधीक्षक ऋचा तोमर ने बताया कि पुलिस थाना सुनेल पर दिनांक 6 अप्रैल को विष्णुसिंह थानाधिकारी मय जाप्ता के सिन्दरिया में खेत व कुआ राहुल राठौर से अवैध मादक पदार्थ अफीम निर्मित डोडा चूरा के साथ एक तस्कर को गिरप्तार करने में सफलता अर्जित की है। पुलिस अधीक्षक ऋचा तोमर ने अवैध कार्यों की रोकथाम व अवैध मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ चलाने गये अभियान में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चिरंजी लाल मीणा व वृताधिकारी वृत्त पिडावा सुनील कुमार आरपीएस पुलिस उप अधीक्षक के निकटतम सुपरविजन में थानाधिकारी विष्णुसिंह पुलिस थाना सुनेल ने सिन्दरिया मे खेत व कुआ राहुल राठौर से अवैध मादक पदार्थ अफीम निर्मित डोडा चूरा के साथ मुलजिम पंकज राठौर पुत्र मदनलाल जाति तेली उम्र 35 साल निवासी सिन्दरिया थाना सुनेल जिला झालावाड राज,के कब्जे से जप्त किया है,मुलजिम के पास से जप्त अवैध मादक पदार्थ अफीम निर्मित डोडा चूरा की अनुमानित कीमत करीब 12.15 लाख रूपये है। मुलजिमान से अवैध मादक पदार्थ तस्करी के सम्बन्ध में गहन अनुसंधान किया जा रहा है तथा तस्करी के रैकेट में शामिल अन्य तस्करों के सम्बन्ध में डोडा चूरा लाने, ले जाने व खरीद फरोख्त के सम्बन्ध में अनुसंधान कर घटना में शरिक अन्य तस्करों के सम्बन्ध में जल्द खुलासा कर विधिक अनुसार कार्यवाही होगी।

गिरफ्तार अभियुक्त गण का नाम, पंकज राठौर पुत्र मदनलाल जाति तेली उम्र 35 साल निवासी सिन्दरिया थाना सुनेल जिला झालावाड राज० के कब्जे से जप्त किया है।

पुलिस थाना टीम, एक विष्णुसिंह उ०नि० थानाधिकारी थाना सुनेल, 2 कमलेश शर्मा एएसआई 3. सत्यनारायण हैड कानि 834 4. ओमसिंह कानि0 726 5. 5. सोदानलाल कानि 1520 6. कैलाशचंद कानि 279 7. झाबरमल कानि 1408 8. रामावतार कानि 1429

विशेष भूमिकाः- 1. सोदान लाल कानि 1520 थाना सुनेल एवं पुलिस की कार्रवाई जारी।

अनिल अग्रवाल फाउंडेशन की प्रमुख पहल, नंद घरों की संख्या अब 15 राज्यों में 8,000 से अधिक

-राजस्थान में 20,000 और नंद घरों के माध्यम से 20 लाख को लाभान्वित करने का लक्ष्य

उदयपुर, (रॉयल पत्रिका)। अनिल अग्रवाल फाउंडेशन की प्रमुख पहल नंद घर ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर 8,044 आँगनवाड़ियों को महिलाओं और बच्चों के समग्र विकास के लिए आधुनिक केंद्रों में परिवर्तित किया गया है। यह पहल भारत के 15 राज्यों में संचालित है और ग्रामीण विकास के प्रति वेदांता की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। नंद घर के माध्यम से अब तक 3 लाख से अधिक बच्चों और 2 लाख महिलाओं को प्रारंभिक बाल शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य देखभाल और कौशल विकास की सुविधाओं का लाभ मिला है। नंद घर पारंपरिक आँगनवाड़ियों का आधुनिक रूप हैं, जो उन्नत सुविधाओं से परिपूर्ण हैं। बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ ही यहाँ स्मार्ट शिक्षा उपकरण, इंटरएक्टिव ई-लर्निंग मॉड्यूल, बाला डिजाइन और स्मार्ट टीवी जैसी सुविधाएँ भी दी जाती हैं, ताकि 3-6 साल के बच्चों के लिए सीखने की प्रक्रिया को रोचक बनाया जा सके। हर केंद्र में बच्चों के अनुकूल फर्नीचर, बिजली, स्वच्छ पेयजल और स्वच्छ शौचालय की सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इस प्रकार, नंद घरों में बच्चों को एक सुरक्षित और पोषणयुक्त माहौल मिलता है। शिक्षा के साथ-साथ, नंद घर में कुपोषण से बचाव के लिए बच्चों को पोषक आहार और गर्भवती व स्तनपान कराने वाली माताओं को जरुरी पोषण सहायता दी जाती है। इसके अलावा, नियमित टीकाकरण अभियान और स्वास्थ्य शिविर जैसी स्वास्थ्य सेवाएँ भी उपलब्ध कराई जाती हैं, जिससे संपूर्ण समुदाय के स्वास्थ्य को और बेहतर बनाया जा सके। नंद घर महिला सशक्तिकरण को भी मजबूत बना रहा है, जिसमें समुदाय की महिलाओं को हस्तशिल्प, खाद्य प्रसंस्करण और रिटेल जैसे कौशल निर्माण गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है। इससे महिलाएं प्रति माह औसतन ₹10,000 तक की आय अर्जित करने में सक्षम हो रही हैं। नंद घर अपनी पहुँच को लगातार बढ़ा रहा है। 2024-25 उपलब्धियों का एक खास साल रहा है। कुपोषण से लड़ने के लिए, नंद घर ने दो चरणों में प्रोटीन युक्त मिलेट शेक वितरित किए, जिससे छह राज्यों के बच्चों को लाभ मिला। पेटेंटेड और एफएसएसएआई प्रमाणित इस मिलेट शेक में 23 आवश्यक विटामिन और मिनरल्स शामिल हैं, और इसे रागी, बाजरा, फॉक्सटेल और कोदो जैसे मोटे अनाजों के मिश्रण से तैयार किया गया है। सरकार द्वारा दैनिक आहार में मिलेट्स के उपभोग को बढ़ावा देने के प्रयासों के तहत, नंद घर की यह पहल पोषण सुरक्षा को बढ़ावा देने की राष्ट्रीय दृष्टि के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिसमें स्थायी और स्थानीय रूप से प्राप्त सुपरफूड्स को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

इस वर्ष मार्च में, अनिल अग्रवाल फाउण्डेशन ने गर्वपूर्वक महाराष्ट्र के पहले नंद घरों का उद्घाटन किया, जिसमें ठाणे में 25 नए केंद्रों की शुरुआत की गई। अपनी पहुंच को और विस्तारित करते हुए, फाउंडेशन आगामी दो वर्षों में राजस्थान में 20,000 और नंद घर स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे ग्रामीण समुदायों में बड़े पैमाने पर बदलाव लाया जा सके। यह पहल भारत सरकार के महिला और बाल विकास के दृष्टिकोण के अनुरूप है। मंत्रालय विभिन्न योजनाओं के माध्यम से 6 साल तक के बच्चों और उनकी माताओं को संपूर्ण देखभाल एवं पोषण प्रदान करता है। यहाँ प्रशिक्षित स्टाफ, शिक्षा सामग्री, पोषण और बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए कई गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं, जिससे उन्हें सुरक्षित माहौल में बेहतर देखभाल मिल सके। पूरे देश में 14 लाख से आँगनवाड़ी केंद्र 7 करोड़ से ज्यादा बच्चों को सेवाएँ दे रहे हैं। ऐसे में, नंद घर का मॉडल मौजूदा व्यवस्थाओं को और सशक्त बनाता है और ग्रामीण भारत में महिलाओं व बच्चों के कल्याण के लिए सरकारी प्रयासों को बढ़ावा देता है।

इस उपलब्धि पर बात करते हुए, हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड की चेयरपर्सन और वेदांता लिमिटेड की नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, प्रिया अग्रवाल हेब्बर, ने कहा कि, 8,000 नंद घरों की यात्रा हमारे इस संकल्प को दर्शाती है कि हम जमीनी स्तर पर जीवन में बदलाव लाने के लिए तत्पर हैं। ये केंद्र सिर्फ आधुनिक आँगनवाड़ी ही नहीं हैं, बल्कि संभावनाओं के ऐसे द्वार हैं, जहाँ बच्चे सीखते हैं, बढ़ते हैं और आगे बढ़ते हैं, और महिलाएँ आत्मनिर्भर बनने के लिए जरूरी साधन और कौशल प्राप्त करती हैं। नंद घर अब एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन का रूप ले रहा है और वास्तविक बदलाव ला रहा है। सरकार और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के साथ हमारी साझेदारी इस मिशन को और मजबूत बना रही है, जिससे हमें उद्देश्यपूर्ण रूप से आगे बढ़ने और पूरे भारत के समुदायों में सार्थक बदलाव करने में मदद मिल रही है। आगे बात करते हुए, शशि अरोड़ा, नंद घर के सीईओ, ने कहा कि, नंद घर में, हमारा उद्देश्य सिर्फ आँकड़ों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि उन जिंदगियों में बदलाव लाना है, जो हमारे संपर्क में आती हैं। हम स्मार्ट लर्निंग, डिजिटल टूल्स और सतत पोषण कार्यक्रमों के माध्यम से भारत में आँगनवाड़ी व्यवस्था की नई परिभाषा रच रहे हैं। पिछले एक साल में हमने अत्याधुनिक डिजिटल लर्निंग मॉड्यूल और विस्तारित पोषण कार्यक्रम पेश किए हैं, ताकि हर बच्चा पोषण 2.0 दिशानिर्देशों के अनुसार दैनिक संतुलित आहार प्राप्त कर सके। हमारी प्रमुख पहल, जैसे- खाना खाया क्या?, मिलेट बार और शेक डिस्ट्रीब्यूशन ड्राइव, डिजिटल स्मार्ट लर्निंग मॉडल, बाल विकास और महिला सशक्तिकरण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है। हम आगे भी अपने प्रयासों को जारी रखेंगे, ताकि प्रारंभिक बाल शिक्षा, पोषण और महिला सशक्तिकरण के माध्यम से समाज में सार्थक और सतत बदलाव लाया जा सके। 2025 में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (डब्यूसीडी) की एकीकृत बाल विकास सेवाओं (आईसीडीएस) के 50 वर्ष पूरे होने के अवसर पर, नंद घर प्रारंभिक बाल देखभाल और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। इस उपलब्धि के साथ, नंद घर भारत के ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाने के अपने लक्ष्य को दोहराता है, ताकि देश के बच्चों और महिलाओं को एक उज्जवल और स्वस्थ भविष्य के लिए बेहतरीन सुविधाएँ मिल सकें।

रामगंजमंडी में डॉ. गोयल का स्नेह मिलन समारोह में सम्मान किया गया

डॉ० तौहीद

सुकेत, (रॉयल पत्रिका)। रामगंजमंडी में होटल महाराजा पैलेस मे स्नेह मिलन समारोह में कोटा जिले के समस्त डॉक्टरों को डॉ. एस. के. गोयल ने चिकित्सा संबंधित जानकारी से अवगत करवाया। गोयल मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल के डॉक्टर एस. के. गोयल को डॉक्टर अब्दुल रऊफ तोहिद द्वारा माला पहनकर सम्मान किया गया। साथ में प्रो. देवकरण भी उपस्थित रहे।

एक ही दिन में महंगाई का झटका, घरेलू सिलेंडर 50 रुपये महंगा, पेट्रोल-डीजल पर 2 रुपये एक्साइज ड्यूटी बढ़ी

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। केंद्र सरकार ने सोमवार को घरेलू रसोई गैस सिलेंडर और पेट्रोल-डीजल की कीमतों को लेकर बड़ा फैसला लिया है। अब घरेलू सिलेंडर की कीमत 50 रुपये बढ़ा दी गई है जबकि पेट्रोल और डीजल पर 2 रुपये प्रति लीटर एक्साइज ड्यूटी बढ़ाई गई है। नई दरें आज रात 12 बजे से लागू हो जाएंगी। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने जानकारी दी कि उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों के लिए एलपीजी सिलेंडर अब 550 रुपये में मिलेगा जबकि बाकी उपभोक्ताओं के लिए कीमत 803 से बढ़कर 853 रुपये हो जाएगी। राजस्थान में घरेलू सिलेंडर की नई कीमत अब 856.50 रुपये हो गई है। इससे पहले महिला दिवस 8 मार्च 2024 को सरकार ने सिलेंडर के दामों में 100 रुपये की कटौती की थी, तब इसकी कीमत 806.50 रुपये थी। हरदीप पुरी ने यह भी कहा कि यह फैसला तेल विपणन कंपनियों को हुए 43,000 करोड़ रुपये के नुकसान की भरपाई के लिए लिया गया है। उन्होंने बताया कि यह फैसला स्थायी नहीं है और इसकी हर 2-3 हफ्ते में समीक्षा की जाती है। वहीं पेट्रोल-डीजल पर 2 रुपये की एक्साइज ड्यूटी बढ़ाई गई है। हालांकि पेट्रोलियम क्षेत्र के जानकार नरेंद्र तनेजा ने बताया कि यह अतिरिक्त बोझ कंपनियों को अपनी कमाई से उठाना होगा और इसका असर आम उपभोक्ता पर नहीं पड़ेगा। यानी पेट्रोल और डीजल के दाम में तत्काल कोई बढ़ोतरी नहीं होगी। सरकार ने 1 अप्रैल 2024 को कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर

की कीमतों में 41 रुपये तक की कटौती की थी। अब राजस्थान में 19 किलो वाला कमर्शियल सिलेंडर 1790 रुपये में मिल रहा है, जो पहले 1830.50 रुपये का था। उस समय घरेलू सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया था। सरकार के इस फैसले से आम आदमी की रसोई का बजट एक बार फिर से प्रभावित होगा। हालांकि पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर रहने की उम्मीद है, लेकिन आने वाले दिनों में समीक्षा के बाद स्थिति में बदलाव संभव है।

समाजसेवा में सक्रिय डॉ. मोहम्मद शोएब अब कांग्रेस अधिवेशन में निभाएंगे अहम भूमिका

सवाईमाधोपुर/अहमदाबाद, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव डॉ. मोहम्मद शोएब पिछले कई वर्षों से समाजसेवा के क्षेत्र में बेहद सक्रिय हैं। चाहे कड़ाके की सर्दी में ज़रूरतमंदों को कंबल वितरित करना हो, या गर्मी के मौसम में ठंडे पानी की व्यवस्था, डॉ. शोएब हमेशा जनसेवा में आगे रहते हैं। इसके साथ ही वे भोजन वितरण जैसे कार्यों में भी लगातार सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भी उनका योगदान उल्लेखनीय है, जहाँ वे पिछले 10 वर्षों से गरीब और ज़रूरतमंद बच्चों के लिए शिक्षा की व्यवस्था में जुटे हुए हैं। हाल ही में उनके सवाईमाधोपुर दौरे के दौरान यह बात सामने आई कि डॉ. शोएब का वन्यजीवों से भी गहरा लगाव है। उन्होंने अपने परिवार के साथ रणथंभौर नेशनल पार्क में भ्रमण किया, जहाँ उन्होंने प्रसिद्ध टाइग्रेस 'रिद्धि' को उसके तीन शावकों के साथ देखा, साथ ही एक भालू का भी दुर्लभ दृश्य अनुभव किया। इस दौरान कमल शर्मा, जो गाइड की भूमिका में थे, उनके साथ मौजूद रहे। डॉ मोहम्मद शोएब ने अपने टीम

मेम्बर्स के साथ ये चर्चा कि के हम वन्य जीवो के लिए और क्या क्या कर सकते है और इस अभ्यारण् को और कैसे बेहतर बना सकते है। इस दौरे के दौरान पता चला की पीसीसी सचिव डॉ मोहम्मद शोएब ना केवल मनुष्यों से बल्कि जानवरो एंड प्रकृति से काफ़ी लगाव रखते है

डॉ. शोएब दो दिन तक अनुराग पैलेस में रुके और वहां भी अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों से जुड़े

रहे। अब इस दौरे के बाद उन्होंने अपनी टीम के साथ बैठक कर यह निर्णय लिया कि वे गुजरात में 8-9 अप्रैल को आयोजित कांग्रेस के अधिवेशन में भाग लेंगे। यह अधिवेशन अहमदाबाद के साबरमती तट पर आयोजित हो रहा है, जिसकी अध्यक्षता मल्लिकार्जुन खड़गे करेंगे। 8 अप्रैल को CWC की बैठक सरदार पटेल मेमोरियल में और 9 अप्रैल को AICC की बैठक गांधी आश्रम और कोचरब आश्रम के बीच तट पर होगी। इस अधिवेशन की थीम है: "न्याय-पथ – संकल्प, समर्पण, संघर्ष", जो कांग्रेस की सामाजिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस जलसे में कांग्रेस के पूरे देश से बड़े बड़े कार्यकर्ता हिस्सा लेंगे सूत्रो के मुताबिक इस कार्यक्रम के बाद राजस्थान कांग्रेस कमेटी में फेर बदल होने की उम्मीद है ।

राजस्थान पत्रकार स्वास्थ्य योजना की अधिसूचना जारी

-अधिस्वीकृत पत्रकारों और उनके परिजनों के लिए चिकित्सा व्यय (आईपीडी) की सीमा 10 लाख रुपये प्रति वर्ष

-आरजेएचएस में मातृत्व चिकित्सा, आईपीडी और अन्य चिकित्सा सेवाएं कैशलेस उपलब्ध होंगी

-मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भीलवाड़ा में आरजेएचएस का किया था शुभारंभ

जयपुर। राज्य सरकार पत्रकार कल्याण के लिए निरंतर महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। इसी क्रम में पत्रकारों के लिए सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा राजस्थान पत्रकार स्वास्थ्य योजना (आरजेएचएस) की अधिसूचना शुक्रवार को जारी की गई। उल्लेखनीय है कि इस योजना का शुभारंभ भीलवाड़ा में (28 मार्च) को राज्य स्तरीय विकास एवं सुशासन उत्सव में मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा द्वारा किया गया था। राज्य सरकार से अधिस्वीकृत समस्त पत्रकार आरजेएचएस के लिए पात्र होंगे। इस योजना की अधिसूचना जारी होने के बाद अधिस्वीकृत पत्रकारों को आरजीएचएस की तर्ज पर कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। योजना के अनुसार, पात्र पत्रकारों एवं उनके परिवार के सदस्यों के लिए 10 लाख रुपये प्रतिवर्ष की चिकित्सा व्यय (आईपीडी) की सुविधा मिलेगी। साथ ही, ओपीडी की सुविधा मेडिकल डायरी के अनुसार देय होगी। अधिस्वीकृत पत्रकारों को योजना के तहत मिलने वाली सुविधा के लिए आईडी कार्ड भी जारी किए जाएंगे। योजना में बीमित व्यक्ति को आरजीएचएस में परिभाषित अनुमोदित अस्पतालों में किए गए सभी इनडोर उपचारों तथा शल्य चिकित्साओं के लिए कैशलेस सुविधा प्रदान की जाएगी। अस्पताल में भर्ती होने से तीन दिन पहले तथा पंद्रह दिन बाद तक की अवधि के दौरान किए गए प्रासंगिक चिकित्सा व्यय को दावे के हिस्से के रूप में माना जाएगा। आरजेएचएस योजना के अन्तर्गत मातृत्व चिकित्सा, अन्तः रोगी उपचार (आईपीडी) और अन्य चिकित्सा सुविधाएं कैशलेस उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पत्रकार कल्याण के लिए पूर्व में भी महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। स्वतंत्र पत्रकारों के अधिस्वीकरण की आयु सीमा तथा अनुभव में छूट देते हुए न्यूनतम पात्रता आयु 45 वर्ष तथा पत्रकारिता का अनुभव 15 वर्ष किया। सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर को जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार से जोड़ने के लिए नव-प्रसारक नीति जारी की। इसी प्रकार पत्रकारों को उत्कृष्ट पत्रकारिता के लिए सम्मानित करने हेतु बिशन सिंह शेखावत पत्रकारिता पुरस्कार देने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया। वहीं पत्रकार एवं साहित्यकार कल्याण कोष से अधिस्वीकृत पत्रकारों एवं आश्रितों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई।

पर्यटन भवन में आयोजित हुई समीक्षा बैठक

-धार्मिक आस्था के केंद्र श्री खाटू श्याम जी में भव्य रूप से किए जाएं विकास कार्य:- उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में तथा पर्यटन शासन सचिव रवि जैन की उपस्थिति में पर्यटन भवन में सोमवार को समीक्षा बैठक आयोजित की गई। दिया कुमारी ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के अंतर्गत सीकर में खाटू श्याम जी मंदिर में विकास कार्य शीघ्र शुरू करवाये जाए। उन्होंने इस सम्बन्ध में एक बैठक खाटू श्याम जी में ही करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि धार्मिक आस्था के केंद्र खाटू श्याम जी में भव्य रूप से विकास कार्य करवाये जाए। उन्होंने स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के अंतर्गत सीकर में श्री खाटू श्याम जी मंदिर में विकास कार्य के लिए केंद्र सरकार की ओर से 87 करोड़ रुपये की स्वीकृति को राज्य में धार्मिक पर्यटन विकास के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इस सम्बन्ध में वें श्री खाटू श्याम जी में ही बैठक लेंगी। उपमुख्यमंत्री ने शेखावाटी की हवेलियों के संरक्षण के लिए आवश्यक बैठक लेकर कार्य किये जाने के निर्देश प्रदान किए। इसके साथ ही उन्होंने अल्बर्ट हॉल पर योजना अनुरूप नवीनीकरण

के उत्कृष्ट कार्य करवाये जाने के निर्देश दिए।

सीमा पर वार म्यूजियम से बढ़ेगा पर्यटन

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने निर्देश दिए कि सीमा पर वार म्यूजियम का कार्य पूर्ण संवेदनशीलता से किया जाना चाहिए। इसके लिए सभी बिंदुओं को ध्यान में रख कर कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि निश्चित ही वार म्यूजियम से राज्य के सीमावर्ती क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने समीक्षा बैठक में पर्यटन विभाग के विभिन्न बिंदुओं जैसे अल्बर्ट हॉल के जीर्णोद्धार, लाइट एंड साउंड शो, आरटीडीसी,पर्यटन नीति, फिल्म नीति, बावड़ियों का जीर्णोद्धार, जयपुर के चारदीवारी क्षेत्र में विकास कार्य, विभिन्न विकास कार्यों के टेंडर, पुष्कर और खाटू श्याम जी के विकास कार्य, मालासेरी डूंगरी, महाराणा प्रताप सर्किट, पर्यटन साइट्स पर स्वच्छता एवं साफ सफाई, संग्रहालयों का जीर्णोद्धार, पर्यटन बोर्ड, डेजर्ट टूरिज्म, जंतर मंतर पर वी आर, शेखावाटी की हवेलियों के संरक्षण, द ग्रेट इंडियन ट्रैवल बाजार की तैयारी, विभिन्न सर्वे, वार म्यूजियम, जमवाय माता मंदिर के विकास कार्य, रोपवे विकास कार्य आदि पर चर्चा करके आवश्यक निर्देश दिए।

विश्व स्वास्थ्य दिवस 2025 का गीतांजली हॉस्पिटल में हुआ आयोजन

उदयपुर, (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, उदयपुर के सामुदायिक चिकित्सा विभाग द्वारा विश्व स्वास्थ्य दिवस 2025 का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व विभागाध्यक्ष डॉ. मुकुल दीक्षित ने किया। इस अवसर पर एक राष्ट्रीय यूज़ी क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रारंभिक चरण में संस्थान के 261 अंडरग्रेजुएट छात्रों ने भाग लिया। अंतिम चरण में चयनित चार टीमों (प्रत्येक में तीन छात्र) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने ज्ञान व कौशल का प्रदर्शन किया। क्विज का संचालन डॉ. अंजना वर्मा एवं डॉ. मेधा माथुर ने किया, तथा नोडल अधिकारी के रूप में डॉ. अमित कुमार रहे। कार्यक्रम के निर्णायक डॉ. अंजना वर्मा (प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग) और डॉ. संजय मंडोत (प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, बाल रोग विभाग) थे। इस आयोजन को सफल बनाने में डॉ. हेमलता मित्तल, डॉ. ज्योति जैन, डॉ. भागराज चौधरी, डॉ. सुरेश चौधरी, डॉ. अभिषेक कुमार, डॉ. अंशिका जैन, डॉ. विचित्रा शर्मा, डॉ. प्रखर शर्मा, डॉ. हरलीन, डॉ. मोनिका, डॉ. चिन्मय का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिलशानो ने किया। समापन पर डीन डॉ. संगीता गुप्ता द्वारा विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं मेडल वितरित किए गए। इसके साथ ही "स्वस्थ शुरुआत, आशावान भविष्य" थीम पर आधारित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में 245 छात्रों ने अपनी कला प्रतिभा का प्रदर्शन किया। साथ ही रंगोली और रील मेकिंग प्रतियोगिताओं ने आयोजन को और भी रंगारंग बना दिया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की सहभागिता एवं रचनात्मकता प्रशंसनीय रही, जिससे विश्व स्वास्थ्य दिवस को एक यादगार आयोजन बनाया गया।

प्रदेशवासियों को बेहतर चिकित्सा सुविधा देना हमारी प्राथमिकता: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हम 'विकसित भारत और विकसित राजस्थान' के विजन के साथ 'आपणो अग्रणी राजस्थान-आपणो स्वस्थ राजस्थान' के संकल्प को साकार करने की दिशा में प्रतिबद्धता से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने प्रदेशवासियों से जो वादा किया है, वह हर हाल में समय पर पूरा होगा। इसमें कोई लापरवाही नहीं होगी, यही हमारी कार्यशैली है। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी से प्रेरणा लेकर राज्य सरकार ने पिछले एक साल में स्वास्थ्य सेवाओं में सकारात्मक सुधार किए हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य को केंद्र में रखते हुए विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर आज निरामय राजस्थान जैसे व्यापक जन अभियान और विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं का शुभारम्भ किया गया है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्नाखान के लिए श्रीराम ऑफसेट, 6-शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड़, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312, मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाडा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित।
संपादक : मुन्नाखान मो. 9772552446 कार्यालय फोन - 0141-4982834 Gmail : royalpatrika@gmail.com Yahoo : royal_patrika@yahoo.com